हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
(लखनऊ से प्रकाशित)

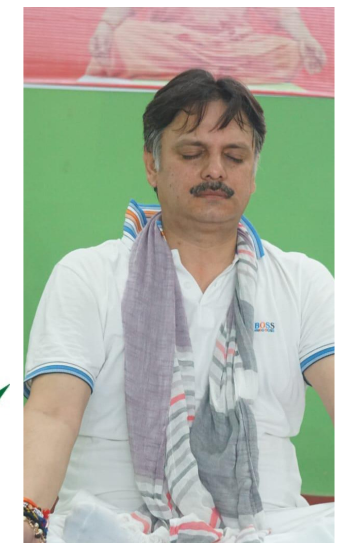

वर्षः- 04, अंकः-14, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, सोमवार 22 जून 2026

राष्ट्रीय पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी अधिवेशन में बच्चों के ...02

सरोजनीनगर विधानसभा में उत्साहपूर्वक मनाया गया...06

70 की उम्र में 50 जैसा दिखें- प्रधानमंत्री

कोलकाता में मोदी बोले- योग इसमें मददगार, यह सबको जोड़ता हैय पीएम ने 5 आसन किए

कोलकाता,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में सहायक बताते हुए कहा है कि हमारा लक्ष्य 50 की उम्र में 30 साल से ज्यादा ऊर्जावान होने का होना चाहिए। बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मुख्य समारोह का आयोजन रविवार को यहां के रेड रोड पर आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। इस अवसर पर श्री मोदी कहा, ष्हम हेल्दी एजिंग (उम्र बढ़ने के साथ सेहतमंद रहने) के लिए योग की बात करते हैं,तो इसका मतलब है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर सकते हैं कि उम्र बढ़ने से इंसान की क्षमता कम न हो।

योग इंसान को लगातार आगे बढ़ने और विकास करने में मदद कर सकता है।ष् उन्होंने कहा, ष्योग हमारे शरीर को लचीला बनाने में मदद करता है। यह हमारी ऊर्जा स्तर लेवल को बनाए रखता है। यह हमें शांत और तनाव-मुक्त जीवन जीने में भी मदद करता है। नियमित अभ्यास से योग हमें जीवन भर अपने शरीर और मन को समझने और सीखने वाला बनाता है।ष् उन्होंने कहा, ष्हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 40 की उम्र में हम 20 की उम्र की तुलना में ज्यादा लचीले हों। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 50 की उम्र में हम 30 की उम्र की तुलना में ज्यादा ऊर्जावान हों।ष् पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के तहत राज्य में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम को लेकर व्यापक इंतजाम और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी। श्री मोदी सुबह करीब 6.30 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और राज्यपाल आर.एन. रवि ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री के पहुंचने से पहले ही कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ जुटने लगी थी। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में लगभग 30,000 से 35,000 लोगों के शामिल हुए। इस कार्यक्रम में श्री मोदी, श्री रवि और श्री अधिकारीअधिकारी के अलावा भाजपा के कई विधायक भी शामिल हुए। श्री मोदी शनिवार को कोलकाता पहुंचे थे और योग दिवस कार्यक्रम के लिए रेड रोड जाने से पहले प्रोटोकॉल के तहत लोक भवन में रुके थे। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अब सिर्फ हर साल मनाया जाने वाला एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। उन्होंने कहा, ष्यह दुनिया का सबसे बड़ा उत्सव बन गया है। पूरा देश योग की महिमा में डूबा हुआ है। दुनिया एक-दूसरे से जुड़ रही है और यही योग की खूबसूरती है।ष् उन्होंने कहा, ष्मैं योग दिवस में शामिल होने के लिए पूरी दुनिया का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।ष् प्रधानमंत्री ने कोलकाता के लोगों का भी धन्यवाद किया और बंगाल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ष्मैं कोलकाता को उसकी स्वच्छता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। योग दिवस पर बंगाल में रहना खास बात है। यह रामकृष्ण परमहंस देव की धरती है। यह विवेकानंद की धरती है जिन्होंने दुनिया को योग से परिचित कराया।ष् गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षाओं का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि योग एकता और सामूहिक भलाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ष्श्री रवींद्रनाथ का मानना था कि लोगों की पहचान अकेले रहने में नहीं, बल्कि एकजुट रहने से मिलने वाली संतुष्टि में है और यही योग की खूबसूरती है जो लोगों को जोड़ता है।ष् अंतराष्ट्रीय योग दिवस का इस साल की थीम श्योग और स्वस्थ बुढ़ापाश् पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बुढ़ापे को सकारात्मक नजरिए से देखा जाना चाहिए।

भारत की विरासत है योग

स्वस्थ शरीर स्वस्थ राष्ट्र का आधार-योगी

➢ पीएम मोदी ने योग को दिलाई वैश्विक पहचान

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग केवल 21 जून तक सीमित नहीं होना चाहिए।इसे जीवनशैली का हिस्सा बनानाहोगा। स्वस्थ शरीर स्वस्थ राष्ट्र का आधार है।भारतीय ऋषि परंपरा ने जो पर्व और उत्सव निर्धारित किए, उनके पीछे प्रकृति के साथ सामंजस्य का भाव रहा है। हमारी संस्कृति का उद्देश्य प्रकृति के साथ रहकर जीवन को संतुलित बनाना है। मुख्यमंत्री विश्व योग दिवस पर झांसी में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्योग फॉर हेल्दी एजिंगश् यानि स्वस्थ आयु के लिए योग थीम के तहत आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने आयुष विभाग की आयुष ई-पत्रिका का विमोचन किया।सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की परंपरा और विरासत को वैश्विक मान्यता दिलाने का कार्य किया है। उनके प्रयासों के कारण आज 140 करोड़ भारतीय दुनिया में गौरव के साथ आगे बढ़ रहे हैं और विकसित भारत की संकल्पना को नई दिशा मिली है। प्रधानमंत्री स्वयं प्रत्येक वर्ष अलग-अलग राज्यों में जाकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् अर्थात स्वस्थ शरीर ही सभी कर्तव्यों और पुरुषार्थों की साधना का माध्यम है। यदि शरीर स्वस्थ व निरोग नहीं होगा तो कोई भी व्यक्ति जीवन के किसी भी लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क वाला छात्र ही अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। स्वस्थ किसान खेती-किसानी में नई उपलब्धियां हासिल करेगा और समाज के लिए प्रेरणा बनेगा। स्वस्थ श्रमिक अपने परिश्रम से विकास और निर्माण की नई इबारत लिखेगा। स्वस्थ वैज्ञानिक देश को नए-नए अनुसंधान और उपलब्धियां प्रदान करेगा। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ राष्ट्र का आधार बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

योग मन, शरीर और आत्मा को ऊर्जा देता है: अमित शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि योग मानवता के लिए भारत का अमूल्य उपहार है, जो समग्र कल्याण को पोषित करता है। शाह ने अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में योग अभ्यास करते हुए यह बात कही। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर जिले के मंसा कस्बे में आयोजित राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम में भाग लिया। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, योग मानवता के लिए भारत का अमूल्य उपहार है, जो मन, शरीर और आत्मा को ऊर्जा देकर समग्र कल्याण को पोषित करता है। मैंने अहमदाबाद में सार्वजनिक योग सत्र में भाग लेकर दुनिया भर में योग दिवस के उत्सव में शामिल लाखों लोगों के साथ सहभागिता की।

गुना में अनियंत्रित कंटेनर पुल से नीचे गिरा, ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में बड़ा हादसा हो गया। पुलिया की दीवार तोड़कर कंटेनर गिरने से ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गुना के चाचौड़ा थाना क्षेत्र में स्थित नेशनल हाईवे 46 पर रविवार सुबह लगभग 5 से 6 बजे के बीच बीनागंज बाईपास पर दर्दनाक हादसा हुआ। शिवपुरी-गुना की ओर से ब्यावरा-भोपाल की तरफजा रहा राजस्थान पासिंग एक कंटेनर अनियंत्रित होकर पुल की दीवार तोड़ते हुए नीचे जा गिरा। कंटेनर के पुलिया में गिरते ही उसमें भीषण आग लग गई।

आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव: राष्ट्रपति मुर्मू

जबलपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को युवाओं से अपनी पहचान और परंपरा की पवित्रता बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिकता व परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है। राष्ट्रपति मुर्मू, यहां रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती त्याग, परिश्रम और बलिदान की प्रतिमूर्ति थीं तथा नारी शक्ति के लिए प्रेरणा का प्रतीक हैं। रानी दुर्गावती के नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है।

राष्ट्रपति ने कहा, श्विकास की दौड़ में जो लोग पीछे छूट गए हैं, उन्हें आगे लाना और मुख्यधारा से जोड़ना जरूरी है। हम सभी को मिलकर यह प्रयास करना चाहिए कि हमारे विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक विकास की प्रक्रिया में सहभागी बनने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, विद्यालयों को अपनी पहचान और परंपरा को नहीं भूलना चाहिए। इसकी पवित्रता बनाए रखना जरूरी है। आधुनिकता और परंपरा के समन्वय से ही देश का संतुलित विकास संभव है। मुर्मू ने जनजातीय समाज के लोगों में कौशल और ज्ञान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आधुनिकता के साथ विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति और परंपरा के प्रति भाव भी विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से यही अपेक्षा की जाती है।

विश्व मंच पर 'भारत के योग' का डंका, न्यूयार्क से शंघाई तक उमड़ा जनसैलाब

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। दुनिया भर में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। जहां भारत में मुख्य कार्यक्रम पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आयोजित हुआ, वहीं सरहदों के पार विदेशों में भी भारतीय संस्कृति की इस अनमोल धरोहर की गूंज सुनाई दी। इस वर्ष यह वैश्विक उत्सव %स्वस्थ आयु के लिए योग% की विशेष थीम पर केंद्रित रहा, जिसने हर उम्र के लोगों को एक्टिव और निरोगी जीवन जीने की राह दिखाई। विदेश मंत्रालय और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के साझा सहयोग से दुनिया भर में फैले 210 से अधिक भारतीय मिशनों और दूतावासों ने करीब 2,500 से अधिक ऐतिहासिक व सार्वजनिक स्थानों पर भव्य योग शिविरों का आयोजन किया। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा की उपस्थिति में प्रतिष्ठित लिंकन मेमोरियल पर भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों योग प्रेमियों ने भाग लिया। इस दौरान पारंपरिक आयुर्वेदिक पद्धतियों की जानकारी देने के लिए विशेष %आयुर्वेद कॉर्नर% भी बनाए गए थे। वहीं दूसरी ओर न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के सहयोग से दुनिया भर में प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर एक विशाल योग सभा का समन्वय किया गया। जहां सत्र का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग गुरु एच. आर. नागेंद्र ने किया। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा आईडीवाई 2026 सिर्फ़ योग तक ही सीमित नहीं था! पारंपरिक वेलनेस तरीकों को दिखाने वाले आयुर्वेद कॉर्नर से लेकर डुपॉन्ट सर्कल, वर्ल्ड बैंक और स्थानीय समुदायों के साथ हुए शुरुआती कार्यक्रमों तक - भारतीय दूतावास ने वॉशिंगटन डी.सी. के हर कोने में योग की भावना को पहुंचाया। इसके अलावा शंघाई से लेकर टोरंटो तक और अफ्रीका से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक योग की धूम देखने को मिली। चीन के शंघाई में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा वहां के प्रसिद्ध %बंड फाइनेंस सेंटर% (बीएफसी) में एक विशाल सत्र आयोजित किया गया। कनाडा के टोरंटो में ओंटारियो विधानसभा की ऐतिहासिक इमारत के सामने सामूहिक योग शिविर लगाया गया, जिसमें प्रवासी भारतीयों और विदेशी नागरिकों की भारी मौजूदगी रही। ब्रिटेन के बर्मिंघम स्थित विक्टोरिया स्क्वायर और यूरोप में जर्मनी तथा स्वीडन के दूतावासों ने भी विशाल खुले मैदानों में योग शिविरों के जरिए जन-जन को निरोग रहने का संदेश दिया। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स स्थित ओलंपिक पार्क में बड़े स्तर पर योग उत्सव आयोजित हुआ, जहां इस बार पहली बार दिव्यांगजनों के लिए विशेष योग सत्र और भारत के पारंपरिक व्यंजनों व वस्त्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के अंतर को पाटते हुए संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाओं-अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रांसीसी, रूसी और स्पेनिश-में अनुवादित कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के जरिए दुनिया के अलग-अलग कोनों में बैठे लोगों ने एक सुर में योग व प्राणायाम का अभ्यास किया। विदेशी धरती पर उमड़ी यह भीड़ साफ बयां कर रही है कि 'भारत का योग' अब केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि दुनिया भर के कार्यस्थलों और जीवनशैली का हिस्सा बनकर एक बड़ा वैश्विक %आरोग्य आंदोलन% बन चुका है।

रातभर जंतर-मंतर पर डटे रहे कॉकरोच, दिपके ने नीट अभ्यर्थियों से कहा, परीक्षा के बाद आ जाओ जंतर मंतर

नयी दिल्ली। नीट से जुड़े विवाद और कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुरू हुआ प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके अपने समर्थकों के साथ 20 जून से धरने पर बैठे हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि परीक्षा से जुड़े विवादों के कारण छात्रों के बीच गहरा अविश्वास पैदा हुआ है और सरकार को इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए जवाबदेही तय करनी चाहिए। रविवार को भी धरनास्थल पर समर्थकों की मौजूदगी बनी रही और आंदोलन को व्यापक बनाने की कोशिशें जारी रहीं। अभिजीत दिपके ने देशभर के लोगों से जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से उन छात्रों से भी समर्थन मांगा है, जो दोबारा आयोजित नीट परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। दिपके ने कहा कि परीक्षा पूरी करने के बाद छात्र इस आंदोलन का हिस्सा बनें और अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि आंदोलन को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसमर्थन जरूरी है। उनका कहना था कि कुछ लोग लगातार धरनास्थल पर डटे हुए हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी से ही सरकार तक प्रभावी संदेश पहुंचाया जा सकता है। प्रदर्शन के दौरान अभिजीत दिपके ने कहा कि यदि पुलिस कार्रवाई होती है

पीएम मोदी ने स्वदेश निर्मित तीन युद्धपोतों को नौसेना में किया शामिल

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर स्वदेश निर्मित तीन पोतों को रविवार को नौसेना में शामिल किया। स्वदेश निर्मित प्रथम पंक्ति के इन तीन पोतों- स्टील्थ फ्रिगेट दूनागिरि, बड़े सर्वेक्षण पोत संशोधक और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अग्रय- से समुद्री युद्ध, जल सर्वेक्षण और पनडुब्बी रोधी युद्ध से जुड़ी नौसेना की अभियानगत क्षमताएं बढ़ेंगी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन समेत कई गणमान्य व्यक्ति पोतों को नौसेना में शामिल किए जाने के समारोह में शामिल हुए। इन पोतों का डिजाइन भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है और इनका निर्माण कोलकाता स्थित सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने किया है।

☐ भारत का पाकिस्तान को करारा जवाब

विदेश मंत्रालय बोला-जिसका खुद का रिकॉर्ड खराब, उसे हमारे आंतरिक मामलों में बोलने का हक

नयी दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी द्वारा भारतीय मुस्लिम धार्मिक स्थलों को लेकर दिए गए बयान पर बेहद सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने जरदारी की टिप्पणियों को सिरे से खारिज करते हुए इसे देश के आंतरिक मामलों में एक अनावश्यक और दुर्भावनापूर्ण हस्तक्षेप करार दिया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि जिस देश का मानवाधिकारों का अपना रिकॉर्ड बेहद खराब और दागदार है, उसे दूसरों को उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार देर रात एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा, भारत, पाकिस्तान के राष्ट्रपति द्वारा की गई इन अनावश्यक और बेबुनियाद टिप्पणियों को पूरी तरह से खारिज करता है। किसी भी परिस्थिति में पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तानी नेतृत्व पर हमला बोलते हुए आगे कहा कि मानवाधिकारों के मुद्दे पर पाकिस्तान की ओर से ऐसी टिप्पणियां आना बेहद हास्यास्पद हैं। पाकिस्तान का अपना मानवाधिकार रिकॉर्ड अत्यंत दयनीय रहा है, जो समय-समय पर वैश्विक स्तर पर आलोचना का विषय बनता रहता है। पाकिस्तान में विभिन्न धार्मिक अल्पसंख्यकों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाने, उनका उत्पीड़न करने और उनके अधिकारों को कुचलने का एक लंबा और काला इतिहास रहा है।

मेरठ में तेज रफ्तार कार ने पुलिस जीप को मारी टक्कर, 7 पुलिसकर्मी घायल, चालक की हालत गंभीर

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में तेज रफ्तार एक इनोवा कार ने पुलिस की गश्ती जीप को टक्कर मार दी, जिससे सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शनिवार देर रात हुई इस दुर्घटना में दो पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने कार में सवार युवक को हिरासत में लिया जबकि उसके साथ की तलाश की जा रही है। पुलिस अधीक्षक (नगर) विनायक गोपाल भोसले ने मीडिया को बताया कि हादसा शनिवार रात करीब ढाई बजे दिल्ली रोड पर टीपी नगर गेट के सामने हुआ।

उन्होंने बताया कि उस समय ब्रह्मपुरी थाने की पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। अधिकारी ने बताया कि हनुमान मंदिर के पास तेज गति से आ रही एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर पुलिस के गश्ती वाहन से टकरा गई। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि वहां खड़ी पुलिसकर्मियों की मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।

वोट देने के अधिकार को मिले मौलिक अधिकार का दर्जा: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि यह कदम मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (एसआईआर) के तहत विभिन्न राज्यों में अत्यधिक संख्या में मतदाताओं के नाम हटाये जाने या उन्हें जानबूझकर अयोग्य ठहराये जाने के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने में एक सशक्त कदम होगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम कर रहे निर्वाचन आयोग के घोर पक्षपातपूर्ण कामकाज के पूरी तरह उजागर होने के बाद, अब समय आ गया है कि मतदान के अधिकार को एक मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि इससे इसे उच्चतम स्तर की न्यायिक समीक्षा और सुरक्षा मिल सकेगी। रमेश ने उल्लेख किया कि बीते शुक्रवार को ही उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ ने संविधान के तहत फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया है। उन्होंने याद दिलाया कि संविधान सभा ने सरदार पटेल की अध्यक्षता में मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों पर एक सलाहकार समिति का गठन किया था। इक्कीस-22 अप्रैल 1947 को हुई इसकी बैठक में मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाने पर तीखी बहस हुई थी, जिसमें डॉ. भीमराव आंबेडकर और बाबू जगजीवन राम ने इसके पक्ष में पुरजोर दलीलें दी थीं। रमेश ने कहा कि सरदार पटेल, सी. राजगोपालाचारी और कुछ अन्य नेताओं का मानना था कि यदि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार बना दिया गया, तो रियासतें भारतीय संघ में शामिल होने में झिझक सकती हैं, और संविधान में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान करना ही काफी है। उन्होंने कहा, सरदार पटेल ने खुद यह रुख अपनाया था कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार अपने आप में एक अंतर्निहित मौलिक अधिकार है। यही अनुच्छेद 326 की पृष्ठभूमि है, जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनावों का प्रावधान करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले सात दशकों से इस बात पर लगातार बहस चल रही है कि मतदान का अधिकार जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 द्वारा प्रदान किया गया एक वैधानिक अधिकार है या यह एक स्पष्ट मौलिक अधिकार है। रमेश ने रेखांकित किया, विभिन्न दृष्टिकोण व्यक्त किए गए हैं। मार्च 2023 के अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ के फैसले में (शीर्ष अदालत की पीठ में शामिल) न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी ने अपनी असहमति की राय में माना था कि मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।

भूख के विरुद्ध मानवता का महायज्ञ- बृज की रसोई ने फिर परोसी संवेदनाओं की थाली संग शरवत

⇨तपती धूप में 2000 से अधिक जरूरतमंदों तक पहुँचा पौष्टिक भोजन व शीतल शरबत, सेवा अभियान बना करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण- सी. एच. तिवारी

⇨बृज की रसोई का सतत प्रयास बना सामाजिक समरसता का प्रतीक, सहयोगियों और स्वयंसेवकों ने निभाई सक्रिय सहभागिता- बलवंत सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की असीम कृपा एवं इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (रजि.) के सेवा प्रकल्प बृज की रसोई के तत्वावधान में प्रत्येक रविवार की भाँति इस सप्ताह भी विशाल निःशुल्क भोजन एवं शीतल शरबत वितरण सेवा का आयोजन आशियाना क्षेत्र में अत्यंत श्रद्धा, समर्पण एवं मानवीय संवेदनाओं के साथ सम्पन्न हुआ। भीषण गर्मी और झुलसा देने वाली धूप के बीच आयोजित इस सेवा अभियान में लगभग 2000 से अधिक अकिंचन, असहाय, निराश्रित, जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं तथा दिहाड़ी मजदूरों को ससम्मान, प्रेमपूर्वक एवं आत्मीयता के साथ पौष्टिक भोजन एवं शीतल शरबत वितरित किया गया। भोजन प्राप्त करने वालों के चेहरों पर उभरी संतुष्टि और मुस्कान ने पूरे वातावरण को भावुक और प्रेरणादायी बना दिया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया कि बृज की रसोई केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, मानवीय करुणा और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित सेवा का एक सतत अभियान है। उन्होंने कहा कि जब समाज का सक्षम वर्ग अपने हिस्से की खुशियों में से कुछ पल और कुछ संसाधन वंचित वर्ग के लिए समर्पित करता है, तभी वास्तविक अर्थों में लोककल्याण और राष्ट्र निर्माण की भावना साकार होती है। दीपक भुटियानी ने कहा कि जब किसी भूखे व्यक्ति के हाथों में भोजन की थाली पहुँचती है, तब केवल उसकी भूख शांत नहीं होती, बल्कि इंसानियत, दया, सह-अस्तित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी तृप्त होती है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर लौट आई मुस्कान से बड़ा कोई पुरस्कार नहीं हो सकता। अनुराग दुबे ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बच्चों, वृद्धजनों एवं श्रमिक परिवारों के चेहरों पर दिखाई दी प्रसन्नता ने उपस्थित स्वयंसेवकों को भावविभोर कर दिया। अनेक लोगों ने इस अभियान को मानवता, करुणा और अपनत्व का महायज्ञ बताते हुए इसकी सराहना की। जालिम सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में जब समाज का एक बड़ा वर्ग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्षरत है, तब ऐसे सेवा कार्य सामाजिक संवेदनशीलता को सुदृढ़ करने का कार्य कर रहे हैं। वहीं वरिष्ठ समाजसेवी सी. एच. तिवारी ने कहा कि बृज की रसोई का उद्देश्य केवल भूख मिटाना नहीं, बल्कि यह विश्वास जगाना है कि समाज आज भी संवेदनाओं, सहयोग और मानवीय मूल्यों से जीवंत है। कार्यक्रम के सफल संचालन में सी.एच. तिवारी, जालिम सिंह, संजय श्रीवास्तव, बलवंत सिंह, दीपक भुटियानी, अनुराग दुबे, ऋषभ मित्रा, मुकेश कनौजिया, रोहित कुमार, सत्यम, उमाशंकर यादव सहित अनेक स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के समापन पर गीता प्रजापति ने सभी सहयोगियों, दानदाताओं एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की सामूहिक सहभागिता से ही ऐसे सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ते हैं। संस्था ने भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया। एक निवाला किसी की मुस्कान बन जाए, इससे बड़ा पुण्य और इससे बड़ी पूजा कोई नहीं।

जय मां दुर्गे सेवा ट्रस्ट के समर कैंप का हुआ समापन, छात्राओं एवं महिलाओं को किया गया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। जय मां दुर्गे सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित समर कैंप का समापन 20 जून को हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। 21 मई से संचालित इस समर कैंप में बड़ी संख्या में छात्राओं एवं महिलाओं ने भाग लेकर मेहंदी, ब्यूटीशियन, सिलाई तथा डांस का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को उनके प्रशिक्षण के लिए सराहा गया तथा बताया गया कि सभी छात्राओं एवं महिलाओं को शीघ्र ही प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में लक्सा थाने की महिला पुलिस कर्मियों की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर महिलाओं एवं छात्राओं को महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करते हुए नारी शक्ति मिशन की जानकारी भी दी गई। उन्हें बताया गया कि वे किस प्रकार स्वयं को सुरक्षित रख सकती हैं तथा किसी भी विपरीत परिस्थिति में सहायता प्राप्त कर सकती हैं। लक्सा थाने की महिला पुलिस कर्मियों एवं ट्रस्ट की अध्यक्ष ज्योति प्रजापति ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ट्रस्ट के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ग्राम प्रधान अजीमुद्दीन खां ने किया योग

➲योग स्वस्थ,संतुलित व अनुशासित जीवन जीने की एक संपूर्ण जीवनशैली - अजीमुद्दीन खां

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विकास खंड मवई क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत रजनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान अजीमुद्दीन खां ने विद्यालय परिवार,ग्रामीणों एवं अपने सहयोगियों के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अजीमुद्दीन खां ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं,बल्कि स्वस्थ, संतुलित और अनुशासित जीवन जीने की एक संपूर्ण जीवनशैली है। उन्होंने कहा कि नियमित योग करने से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों,युवाओं और बच्चों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में उपस्थित लोगों ने विभिन्न योगासन,प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। कार्यक्रम में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ एवं निरोग समाज के निर्माण का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार प्रधानाध्यापक दयानंद दुबे, मास्टर शहरयार,मास्टर माता प्रसाद,पुष्पा मैडम, कामता प्रसाद,हरिराम,अब्दुल कयूम खान,फखरुद्दीन खान बिमला देवी,उरेशी देवी,अमानुल्लाह खान,मिस्त्री क्रिसमनन के अलावा विद्यालय के छात्र टीचर उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों,ग्रामीणों एवं ग्राम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। अंत में सभी ने प्रतिदिन योग करने का संकल्प लेते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

निशुल्क मेडिकल कैंप, 10 हजार से अधिक लोगों को मिला लाभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वृन्दावन।श्रीधाम वृंदावन में जरूरतमंद संतों, साधकों एवं आश्रितों के लिए संचालित निशुल्क मेडिकल कैंप पिछले दो वर्षों से निरंतर सेवा प्रदान कर रहा है। इस अवधि में 10,000 से अधिक लोग इस स्वास्थ्य सेवा से लाभान्वित हो चुके हैं। कैंप में रोगियों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श तथा उच्च गुणवत्ता की दवाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। राधावल्लभ मंदिर के सामने आयोजित होने वाले इस मेडिकल कैंप में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों की टीम द्वारा सामान्य रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग तथा पेट संबंधी रोगों के लिए परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार चिन्हित आश्रितों को निशुल्क चश्मों का वितरण भी किया जाता है, जिससे अनेक जरूरतमंद लोगों को दृष्टि संबंधी समस्याओं से राहत मिली है। कैंप की एक विशेष पहल के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार को भारतीय चिकित्सा पद्धति आधारित न्यूरो थैरेपी शिविर भी आयोजित किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में मरीज लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह संपूर्ण सेवा विगत दो वर्षों से श्री राधावल्लभ मंदिर के तिलकायत श्री मोहित मराल गोस्वामी के मार्गदर्शन में हित हरिवंश प्रचार मंडल ट्रस्ट द्वारा पूर्णतः निशुल्क संचालित की जा रही है। ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य वृंदावन धाम में रहने वाले उन संतों, साधकों एवं आश्रितों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, जो पूर्ण रूप से ठाकुरजी की सेवा एवं आश्रय पर निर्भर रहते हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि इस सेवा का लाभ केवल स्थानीय लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से वृंदावन आने वाले श्रद्धालु एवं दर्शनार्थी भी इस निशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। समाजसेवा और जनकल्याण की दिशा में यह मेडिकल कैंप एक प्रेरणादायी पहल बनकर उभरा है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। लगातार दो वर्षों से चल रही यह सेवा वृंदावन में मानव सेवा और परोपकार का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है।

मँगलदई में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर असम सरकार के नई मंत्री नीलिमा देवी ने लिया हिस्सा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। देशव्यापी मनाए जा रहे बारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर रविवार को असम के दरंग जिले के मँगलदई में भी जोश और अनुशासन के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष का विषय योग फॉर हेल्दी एजिंग अर्थात् स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग रखा गया है, जिसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन, राष्ट्रीय आयुष मिशन, जिला स्वास्थ्य समाज और दरंग जिला आयुष विभाग द्वारा सैनिक भवन, मँगलदई में सुबह 6 बजे से विविध कार्यक्रम हुए। मुख्य अतिथि के रूप में नवनियुक्त असम सरकार की पशुपालन एवं मीनपालन विभाग की कैबिनेट मंत्री नीलिमा देवी उपस्थित रहीं। उन्होंने दीप प्रवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और अपने सम्बोधन में योग के बहुआयामी लाभों पर प्रकाश डाला। मंत्री ने कहा कि योग एक सशक्त माध्यम है जो स्वास्थ्यमय जीवनशैली को बढ़ावा देता है और इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। यदि शरीर स्वस्थ रहेगा तो मन भी स्वस्थ रहेगा और तभी हम सकारात्मक सोच सकते हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने सभी से नियमित योगाभ्यास कर शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ जीवन जीने का आह्वान किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में पश्चिम मँगलदई योग शिक्षा केंद्र के योग चिकित्सक एवं प्रशिक्षक हिमालय शर्मा ने स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग विषय की महत्ता और स्वास्थ्य सुरक्षा में योग की भूमिका पर विस्तृत बात की। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से जीवन गुणात्मक रूप से सक्रिय और स्वस्थ बनता है। इसके बाद योग प्रशिक्षण में प्रशिक्षक जयंत डे के निर्देशन में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से योग अभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम का समुचित संचालन दरंग जिला आयुष अधिकारी डॉ. तरुण चंद्र डे के पर्यवेक्षण में हुआ। कार्यक्रम में दरंग जिला परिषद की अध्यक्षा शेवाली कलिता गोस्वामी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी करवी करन सैकिया , जिला विकास आयुक्त देबजीत बरुवा, अतिरिक्त जिला आयुक्त अनुराग फुकन , संयुक्त स्वास्थ्य सेवा संचालक डॉ. दिल्लीराम अधिकारी, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी चुम्पी चुतीया, जिला क्रीड़ा अधिकारी, अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राएँ और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे। जिला स्तर पर योग आयोजन की भूमिका में यह भी उल्लेखनीय है कि 20 जून को आयोजित जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में चार आयु वर्ग 10 वर्ष से कम, 10-18 वर्ष, 18-35 वर्ष और 35 वर्ष से ऊपर-में चयन हुए। प्रत्येक वर्ग से तीन-तीन विजेताओं को चुना गया तथा मुख्य कार्यक्रम में विजयों को प्रमाणपत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पिण्डरा में भव्य आयोजन, विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने किया योगाभ्यास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

पिण्डरा, वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पिण्डरा स्थित नेशनल इंटर कॉलेज परिसर में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पिण्डरा विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने योगाचार्य देव कुमार गुप्ता के नेतृत्व में योगाभ्यास कर लोगों को स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। प्रातः 6 बजे से आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधायक डॉ. अवधेश सिंह ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में सहायक है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। योगाचार्य देव कुमार गुप्ता ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना एवं शिथिलीकरण अभ्यास से हुई। इसके बाद सूर्य नमस्कार, पद्मासन, वृक्षासन, वज्रासन सहित कपालभाति एवं विभिन्न प्राणायामों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी पिण्डरा प्रतिभा मिश्रा, खंड विकास अधिकारी प्रतिभा मिश्रा, खंड विकास अधिकारी देवेन्द्र सिंह, थानाध्यक्ष राजीव सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, डॉ. जे.पी. दुबे, मंडल अध्यक्ष अशोक गौतम, सुनील दत्त वर्मा, आशीष प्रकाश सिंह, बसंत उपाध्याय, अवधेश सिंह %गुल्लू%, अजय पटेल, झगड़ू मिश्रा, रमेश जायसवाल, अतुल रावत बेलवां, प्रधान जे.पी. पाल, धनंजय सिंह, संतोष सिंह, रामू गुप्ता, संदीप राय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं योग प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ एवं निरोग समाज के निर्माण के संकल्प के साथ किया गया।

योग से स्वस्थ जीवन का संदेश, अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु हीरा योगी ने कराया अभ्यास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु हीरा योगी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि योग हर उम्र में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. वाङ्छुग दोर्जे नेगी ने की। उन्होंने कहा कि योग आत्मानुशासन और मानसिक शांति का मार्ग है तथा भारत योग के माध्यम से विश्व को शांति का संदेश दे सकता है। कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा ने योग को तनावपूर्ण जीवन में स्वास्थ्य और आंतरिक शांति का सशक्त साधन बताया। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संगीतमय योग शिविर में योग के साथ मनाया गया फादर्स डे

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जय श्री कृष्णा फाउंडेशन द्वारा होटल विश्वम, बीएलडब्ल्यू रोड में संगीतमय योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम योग करें, संगीत के साथ करें-तन स्वस्थ, मन प्रसन्न रही। योग गुरु अनिल केसरी, संजय शर्मा एवं मनीष राय ने संगीत की धुनों के साथ योगाभ्यास कराया। फादर्स डे के उपलक्ष्य में विशेष जनों को पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने सफेद टी-शर्ट पहनकर एकता और शांति का संदेश दिया। मुख्य संयोजक विनय गिरी ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का आधार है। योग समन्वयक समीर सरीन, किरण गुप्ता, अनूप मिश्रा, राहुल गुप्ता, अमित सिकदर, मधु कोठारी, चंद्रशेखर राय एवं प्रकाश बागचंदानी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संजीव अग्रवाल, अरविंद जैन, बृजेश दास लोड, अभिषेक भट्टाचार्य, डॉ. ए.के. कौशिक, हरे कृष्ण कक्कड़, प्रदीप उपाध्याय, डॉ. वीरेंद्र केसरी, करिश्मा तिवारी और लेखा चटर्जी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निर्मल कुटिया पर दिल्ली पुलिस अधिकारियों का कांग्रेसी नेता दयानंद शुक्ला ने किया स्वागत अभिनंदन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। दिल्ली पुलिस के दर्जनों अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों ने अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दिव्य दर्शन-पूजन किए तथा पावन सरयू के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान मवई ब्लॉक के रानीमऊ स्थित निर्मल कुटिया में देव ब्रिज जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दयानंद शुक्ला द्वारा सभी अतिथियों का प्रभु श्रीराम का चित्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर दयानंद शुक्ला ने भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन,मर्यादा,त्याग, सत्य,न्याय एवं लोक कल्याणकारी चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्श आज भी समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने सभी से श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों एवं उनके परिवारजनों ने कहा कि अयोध्या की पावन धरती पर आकर प्रभु श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होना उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने कहा कि दयानंद शुक्ला के आत्मीय स्वागत,सम्मान और मार्गदर्शन ने इस आध्यात्मिक यात्रा की खुशियों को कई गुना बढ़ा दिया। सभी अतिथियों ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर वीरेंद्र सिंह चौधरी,विनोद गोयल,विनायक चौधरी,अंगद कुमार गोयल,श्रीमती शालिनी राठी,श्रीमती ओम काली देवी, श्री कृष्णा चौधरी,राम आशीष तिवारी,श्रीनाथ यादव,परमानंद शुक्ला,अनमोल शुक्ला सहित लोग मौजूद रहे।

नगांव में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में मंत्री केशव महंत ने किया प्रतिभागियों को संबोधित, विजेताओं को सम्मानित।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। द्वादश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को नगांव जिला प्रशासन और राष्ट्रीय आयुष मिशन के सहयोग से नगांव शहर के पुलिस छावनी के मुक्त प्रेक्षागृह में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे असम के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, विज्ञान एवं तकनीक आदि विभागों के मंत्री केशव महंत ने कहा, योगाभ्यास मन और प्रकृति, आत्मा और परमात्मा के बीच एक सार्थक संबंध स्थापित करता है। इसलिए योग को जीवनचर्या में शामिल करना चाहिए। मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से प्राचीन भारतीय सभ्यता के इस अनमोल योगदान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिलना गर्व की बात है और सभी से योग साधना निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद नगांव -बटद्रवा विधानसभा क्षेत्र की विधायक रूपक शर्मा ने संक्षिप्त भाषण में कहा, यह अत्यंत सुखद है कि हमारे राज्य के प्रत्येक जिले, उप-जिला, विकास खंड और ग्राम पंचायतों में योगासन के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब जनता में योग के प्रति जागरूकता और रुचि स्पष्ट दिख रही है। कृष्ण किंकर खातोनियार द्वारा संबोधित उद्घाटन समारोह में जिला विकास आयुक्त देवज्योति चौधुरी, अतिरिक्त आयुक्त कमलजीत शर्मा, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. पंचम कुमार बोरा, जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा, उपमहापौर सीमांत बोरा, आयुष के जिला नोडल अधिकारी डॉ. रीमा भट्टाचार्य सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद केंद्रीय स्तर पर कोलकाता में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय योग रेफरी रूपज्योति बरुआ के निर्देशन में योगासन का अभ्यास कराया गया, जिसमें लगभग तीन सौ से अधिक लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के अंतर्गत 16 जून को आयोजित जिलेस्तरीय योगासन प्रतियोगिता के विजेताओं को मंत्री तथा विधायक द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही हालिया राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में असम के लिए पदक जीतने वाले योग खिलाड़ियों का भी सम्मान तथा सम?मानोन्नति की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रशासन और आयुष मिशन की सक्रिय भागीदारी रही, तथा स्थानीय समुदाय में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई पहलें घोषित करने की संभावनाओं का भी संकेत दिया गया।

राष्ट्रीय पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी अधिवेशन में बच्चों के स्वास्थ्य पर हुई विस्तृत चर्चा

◻ बुखार और मामूली घावों के उपचार में कैलपोल व नियोस्पोरिन की उपयोगिता बताई गई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। नदेसर स्थित होटल ताज गंगेज में रविवार को पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया। अधिवेशन में देशभर से आए बाल रोग विशेषज्ञों ने बच्चों के स्वास्थ्य, श्वसन संबंधी रोगों तथा आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा की। विशेषज्ञों ने बताया कि बच्चों में बुखार, दर्द तथा छोटी-मोटी चोटों के उपचार में कैलपोल (पैरासिटामोल सिरप) और नियोस्पोरिन ऑइंटमेंट का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। कैलपोल बुखार कम करने के साथ-साथ सिरदर्द, दांत दर्द एवं शरीर दर्द में राहत प्रदान करने में प्रभावी है, जबकि नियोस्पोरिन छोटे कट, खरोंच, मामूली जलन और घावों को संक्रमण से बचाने में सहायक होती है। बाल रोग विशेषज्ञों ने अभिभावकों को सलाह दी कि बच्चों को किसी भी दवा का सेवन चिकित्सकीय परामर्श एवं निर्धारित मात्रा के अनुसार ही कराया जाए। दवा की मात्रा बच्चे की आयु और वजन के अनुरूप तय की जानी चाहिए। किसी प्रकार की एलर्जी, दुष्प्रभाव अथवा गंभीर स्वास्थ्य समस्या होने पर तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना आवश्यक है। अधिवेशन के दौरान बच्चों में श्वसन रोगों की रोकथाम, आधुनिक चिकित्सा तकनीकों तथा बेहतर स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े विभिन्न वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने कहा कि समय पर निदान और उचित उपचार से बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर विश्व की अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी जीएसके (ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन) से क्षेत्रीय अधिकारी शिशिर श्रीवास्तव, संदीप मिश्रा तथा मेडिकल बिज़नेस एसोसिएट्स सौरभ सिंह, आशुतोष सिंह, विवेक मिश्रा, अमित सिंह, रोहित जायसवाल, वासु तिवारी एवं अभिषेक मिश्रा उपस्थित रहे।

गौ घाट पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक संपन्न

➤ गोमती तट पर हुआ वृक्षारोपण, सामूहिक योगाभ्यास एवं युवा गोमती मित्रों का सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश एवं जिला गंगा समिति, लखनऊ द्वारा गौ घाट, गोमती नदी तट पर भव्य योग कार्यक्रम, वृक्षारोपण अभियान, गंगा कथा एवं युवा गोमती मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देना, जनसामान्य को प्रकृति एवं नदियों के संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों एवं गोमती संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन श्री जोगिंदर सिंह, आईएएस, परियोजना निदेशक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश तथा सितांशु पाण्डेय, आईएफएस, प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान योग, पर्यावरण संरक्षण एवं नदी पुनर्जीवन के संदेश को एकीकृत रूप से प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवन एवं स्वच्छ पर्यावरण के बीच के गहरे संबंध को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत अवध वन प्रभाग, लखनऊ के सहयोग से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत गौ घाट स्थित गोमती नदी के किनारे विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में ही सहायक नहीं हैं, बल्कि नदियों के संरक्षण, भूजल संवर्धन एवं जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नदी एवं वृक्ष एक-दूसरे के पूरक हैं तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सौरभ वाल्मीकि, नगर उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी एवं रामअवतार कनौजिया, पूर्व महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी रहे। विशिष्ट अतिथियों में दयाशंकर पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, प्रमोद सिंह, मंडल प्रभारी तथा ऋतेश कनौजिया, मंडल उपाध्यक्ष उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि योग एवं पर्यावरण संरक्षण दोनों ही भारतीय संस्कृति एवं जीवन दर्शन के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने नागरिकों से नदियों को स्वच्छ रखने, जल संरक्षण करने तथा वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। साथ ही गोमती नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए राज्य स्वच्छ गंगा मिशन एवं जिला गंगा समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इसके उपरांत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन सहित विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम की विधियों का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को योग को दैनिक जीवन में अपनाने, मानसिक तनाव को कम करने, शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने तथा सकारात्मक जीवनशैली विकसित करने हेतु प्रेरित किया गया। योग सत्र के दौरान इस वर्ष की थीम योग फॉर हेल्थी एजिंग के अनुरूप स्वस्थ वृद्धावस्था, मानसिक संतुलन, रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं समग्र स्वास्थ्य के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण फ़युवा गोमती मित्र सम्मानफ़ समारोह रहा।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

कर्बला का वो मंज़र, भूख, प्यास और बेमिसाल सब्र

● आज की कड़वी हकीकत, चरक चौराहे का वो दर्दनाक मंज़र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मुहर्रम का चांद सिर्फ एक तारीख नहीं बदलता वह कायनात के दिल में एक गहरा ज़ख्म हरा कर देता है। यह वो महीना है जिसके आते ही हवाओं में एक सन्नाटा सा छा जाता है और इंसानी रूह खुद-ब-खुद उस अज़ीम शहादत के ग़म में डूबने लगती है। लेकिन अफ़सोस आज का डिजिटल दौर आज की तड़क-भड़क और आधुनिकता की अंधी दौड़ हमें एक ऐसे मोड़ पर ले आई है जहाँ हम इमाम का ग़म मनाने नहीं बल्कि अपनी रूहानी विरासत का जनाज़ा उठाने लगे हैं। ज़रा ठहरिए, अपनी आँखें बंद कीजिए और आज के इस बनावटी शोर से दूर कर्बला की उस तपती रेत पर चलिए जहाँ इंसानियत का सबसे बड़ा इम्तिहान हुआ था। ज़रा सोचिए उस मंज़र के बारे में, जहाँ चारों तरफ तपती हुई रेत थी, सूरज आग बरसा रहा था और फ़ुरात के पानी पर पहरे थे। तीन दिन की कड़कती प्यास थी, सूखे हुए हलक थे और छः महीने के अली असग़र की वो मासूम सी पुकार थी। एक तरफ ज़ुल्म का वो पहाड़ था जिसके पास हुकूमत थी, फौज थी और हथियारों का गुरूर था, और दूसरी तरफ फातिमा के लाल इमाम हुसैन थे, जिनके पास सिर्फ सब्र ईमान और हक़ की ताकत थी। एक-एक करके 72 साथी कुर्बान हो रहे थे, लेकिन हुसैन के पैर नहीं डगमगाए। जब तीरों की बौछार के बीच आख़िरी वक्त आया, तो इमाम ने तलवार नहीं उठाई, बल्कि अपने मालिक के हुज़ूर सजदे में सिर रख दिया। वह सजदा कोई हार नहीं था, वह ज़ुल्म के सीने पर गाड़ा गया सत्य का वो परचम था जो कयामत तक लहराता रहेगा। हुसैन ने अपना लहू देकर इस्लाम के बाग को सींचा था। अब कर्बला के उस मंज़र से लौटकर अपने बचपन के उन दिनों को याद कीजिए, जब भारत की इस पाक सरज़मीन पर मुहर्रम का चांद देखते ही आँखें नम हो जाती थीं। उन दिनों दिखावा नहीं, दिलों में इमाम का दर्द होता था। अज़ाखानों पर काले परदे लटकते थे और उनके भीतर मद्धम गति से जलते हुए चिराग या मोमबत्तियां होती थीं। वो धीमी सी रोशनी और वो सन्नाटा सादगी का ऐसा मंज़र बयां करता था कि देखने वाले की रूह काँप जाती थी। घरों के चूल्हे ठंडे हो जाते थे, लोग ज़मीन पर सोते थे और सादे बर्तनों में बनी दाल-रोटी को ही बड़े अदब से तबारक समझकर बांटते थे। वहाँ कोई दिखावा नहीं था, सिर्फ एक सच्चा, ख़ामोश और रूहानी मातम था जो सीधे दिल से निकलता था। लेकिन आज के मुसलमान को देखिए, हम अपनी इस पाक रवायत को भूलकर किस रास्ते पर जा रहे हैं? पिछले साल 8 मुहर्रम की रात जब आँखों ने चरक चौराहे और उसके आस-पास का नज़ारा देखा, तो रूह भीतर तक काँप उठी। वह शहज़ादे अली अकबर और गाज़ी अब्बास की याद की रात थी, लेकिन वहाँ का मंज़र देखकर ऐसा लग रहा था मानो हम हुसैन के रास्ते से कोसों दूर भटक चुके हैं। चारों तरफ सड़कों पर लगे बड़े-बड़े डीजे साउंड और शादियों जैसी झिलमिलाती, चकाचौंध पैदा करती रंग-बिरंगी लाइटें लगी थीं। जिन मर्सियों और मातम की आवाज़ों को सुनकर सीना छन जाना चाहिए था, आज उन्हें डीजे की थिरका देने वाली भारी धुनों पर बजाया जा रहा था। नौजवान उन तेज़ आवाज़ों के बीच मातम नहीं, बल्कि एक मनोरंजन और हुड़दंग कर रहे थे। वो चकाचौंध करती लाइटें अंदर से इंसान की रूह को जला रही थीं और सवाल कर रही थीं। क्या इसी मुसलमान के लिए हुसैन ने अपना भरा-पूरा परिवार की कुर्बानी दी थी? क्या यह अकीदत है या अनजाने में इमाम की शान में घोर गुस्ताखी? अगर हम हुसैन के मर्तबे को एक पल के लिए भी समझ लें, तो हमारे सिर शर्म से झुक जाएंगे। हुसैन वो अज़ीम शख्सियत हैं जिन्हें नबी-ए-पाक (स.अ.व.) ने जन्नत के जवानों का सरदार कहा। वो हुसैन, जो जब बचपन में रसूल की पीठ पर बैठ जाते थे, तो नबी अपने सजदे को लंबा कर दिया करते थे ताकि नबासे को कोई तकलीफ न हो। जिसके अदब का ख्याल, अल्लाह पाक का रसूल रखे, आज हम उसके ग़म को सड़कों पर डीजे बजाकर तमाशा बना रहे हैं? हुसैन का रास्ता तो पेट पर पत्थर बांधने का रास्ता था, सच के लिए अपनी गर्दन कटाने का रास्ता था। हुसैन ने सजदे में सिर कटाकर नमाज़ की हिफाज़त की थी, और हमारा हाल यह है कि हमारे चौराहों पर डीजे का शोर है, हमारी नमाज़ें कज़ा हो रही हैं और हमारा चरित्र गुनाहों से काला हो चुका है। हम हुसैन को तो मानते हैं, लेकिन अफ़सोस, हम हुसैन की एक भी नहीं मानते! हुसैनियत कोई दस दिन का मेला या त्योहार नहीं है जिसे मुहर्रम बीतने के बाद उतारकर अलमारी में बंद कर दिया जाए। अगर हम सच्चे हुसैनी हैं, तो हमें साल के 365 दिन हुसैनी बनकर जीना होगा। हुसैनी रास्ते पर चलने का मतलब है। पूरे साल झूठ, फरेब, बेईमानी और हराम की कमाई से दूर रहना। इसका मतलब है समाज के भूखों को खाना खिलाना, कमज़ोरों का साया बनना, दिलों में मोहब्बत पैदा करना और हर उस बुराई से तौबा करना जो इंसानियत को कलंकित करती है। भले ही हम रास्ते से भटक गए हैं, भले ही हमें लौटने में देर हो गई है, लेकिन अगर आज भी हम संभल जाएं, तो इमाम की रहमत का साया हमें समेट सकता है। आइए, इस मुहर्रम हम सब मिलकर अपने इन गुनाहों और दिखावे की झूठी रवायतों से सच्ची तौबा करें। ख़ुदा के हुज़ूर गिड़गिड़ाकर दुआ करें। ऐ परवरदिगार! हमें दिखावे और इस भटकाव की हरामकारी से बचा। हमें वैसा हुसैनी बना जैसा इमाम हुसैन हमसे चाहते थे। हमें पूरे साल उस सादगी और सीधे रास्ते पर चलने की तौफीक दे जो कर्बला की पाकीज़गी से होकर गुज़रता है। आइए, इन शोर-शराबे वाले डीजे और नुमाइशी लाइटों को हमेशा के लिए अलविदा कहें और अपने पुरखों की सादगी, अदब और उस सच्चे आत्मिक ग़म को वापस लाएं, क्योंकि हुसैन दिलों में बसते हैं, सड़कों के शोर में नहीं।

गर्भाशय कैंसर के प्रति जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव– प्रो. आर.के. धीमन

⇨ एसजीपीजीआई में गर्भाशय कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, कैंसर को मात देने वाली महिलाओं का हुआ सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जून माह को विश्वभर में 'गर्भाशय कैंसर जागरूकता माह' के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) की गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी टीम द्वारा शनिवार को एच.जी. खुराना ऑडिटोरियम में गर्भाशय कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को गर्भाशय कैंसर के जोखिम कारकों, शुरुआती लक्षणों तथा जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव के माध्यम से इस बीमारी के खतरे को कम करने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गर्भाशय कैंसर से सफलतापूर्वक लड़कर स्वस्थ जीवन जी रही महिलाओं, जिन्हें 'वॉरियर्स' के रूप में सम्मानित किया गया, का सम्मान समारोह रहा। एसजीपीजीआई के निदेशक पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमन ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि गर्भाशय कैंसर के प्रति जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव हो सकता है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. देवेंद्र गुप्ता तथा

गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिस्ट प्रो. अंजू रानी ने इन महिलाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कैंसर को मात दे चुकी महिलाओं ने बीमारी की पहचान से लेकर उपचार और स्वस्थ होने तक के अपने संघर्षपूर्ण अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि समय पर जांच, विशेषज्ञ उपचार और सकारात्मक सोच के बल पर उन्होंने इस गंभीर बीमारी पर विजय प्राप्त की। उनकी प्रेरक कहानियों ने उपस्थित महिलाओं को जागरूक होने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ओपन हाउस चर्चा, विशेषज्ञों की पैनल चर्चा, क्विज प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को गर्भाशय कैंसर के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में लगभग 250 महिलाओं ने भाग लेकर विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. अंजू रानी, डॉ. इंदुलता, डॉ. सुषमा, डॉ. निधि सिंह तथा जनरल हॉस्पिटल के चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेषज्ञों ने कहा कि गर्भाशय कैंसर के शुरुआती लक्षणों की पहचान और समय पर उपचार से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

राम मंदिर चंदे में घोटाले के आरोपों पर आप का प्रदर्शन

'चंदा चोरों गद्दी छोड़ो' के नारों के बीच 420 की डीडी चंपत राय को भेजी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भगवान श्रीराम मंदिर के लिए श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे में कथित भ्रष्टाचार तथा राम भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ के विरोध में आम आदमी पार्टी

ने रविवार को प्रदेशभर में विशेष प्रदर्शन किया। पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर जिला मुख्यालयों और प्रमुख चौराहों पर भिक्षाटन कार्यक्रम आयोजित किए गए। राजधानी लखनऊ में स्वास्थ्य भवन चौराहे पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हाथों में कटोरे तथा तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'चंदा चोरों गद्दी छोड़ो', 'राम भक्तों का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान' और 'श्रीराम के नाम पर भ्रष्टाचार बंद करो' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने प्रतीकात्मक रूप से ?420 की डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) तैयार कर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भेजने की घोषणा की। 'राम भक्तों की भावनाओं के साथ विश्वासघात' प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी के ऑटो विंग के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह सलूजा ने आरोप लगाया कि राम मंदिर निर्माण के नाम पर जुटाए गए चंदे में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चंदे में हुई कथित गड़बड़ियां करोड़ों राम भक्तों की भावनाओं के साथ विश्वासघात है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग जिला महासचिव ज्ञान सिंह कुशवाहा ने कहा कि राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने हाल ही में राम मंदिर ट्रस्ट और तीर्थ क्षेत्र के आसपास भूमि खरीद-फरोख्त में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि मामले की जांच अब तक क्यों नहीं कराई गई। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में समयबद्ध जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में अब्दुर्रहमान खान, सुधीर पटेल, बलराम साहनी, पी.के. बाजपेयी, वसीम सिद्दीकी, अनुराग मल्होत्रा, डॉ. फ़व्वाज़ खान, डॉ. रामजी यादव, संजीव निगम सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीट से भर्ती परीक्षाओं तक पेपर लीक का खेल, शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा– अजय राय

❑ कांग्रेस ने छात्रों की आत्महत्याओं को बताया 'सरकार उत्प्रेरित हत्या', राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान का किया ऐलान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने लगातार हो रहे नीट एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। अजय राय ने कहा कि वर्ष 2018, 2021, 2022, 2024 और 2026 में नीट परीक्षा में गंभीर अनियमितताएं और पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं। इससे पहले 2015 में भी नीट पेपर लीक का मामला सामने आ चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि युवाओं और छात्रों के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है, लेकिन केंद्र सरकार और

शिक्षा मंत्रालय जवाबदेही से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल नीट ही नहीं, बल्कि सीबीएसई उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से लेकर उत्तर प्रदेश की लेखपाल भर्ती, यूपीएसआई, पुलिस सिपाही भर्ती, आरओ–एआरओ, एसएससी जीडी तथा सहायक प्रोफेसर भर्ती जैसी अनेक परीक्षाएं भी पेपर लीक और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी हैं। कांग्रेस के आंदोलन और छात्रों के संघर्ष के दबाव में सरकार को हालिया नीट परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय लेना पड़ा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि नीट पेपर लीक से उपजे मानसिक तनाव के कारण विभिन्न राज्यों में अब तक 12 छात्रों ने आत्महत्या की है। उन्होंने इन घटनाओं को 'सरकार उत्प्रेरित हत्या' बताते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था की विफलता का खामियाजा देश के युवाओं को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। अजय राय ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में 23 राष्ट्रीय परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, जो देश की परीक्षा प्रणाली की गंभीर विफलता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था असफलता के चरम पर पहुंच चुकी है और छात्रों के सपनों को कुचल रही है। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य छात्रों की भागीदारी से नई शिक्षा नीति की नींव रखना है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देशभर के विद्यार्थियों की आवाज सुनकर ऐसी शिक्षा व्यवस्था बनाना चाहते हैं, जो सस्ती, निष्पक्ष और छात्रों के सपनों के अनुरूप हो। कांग्रेस का दावा है कि यह अभियान शिक्षा को 'वसूली तंत्र' बनने से रोकने और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

समाचार

बाल संग्रहालय की ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का भव्य समापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ के बाल संग्रहालय द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का भाव समापन समारोह 20 जून को रविंद्रालय सभागार में संपन्न हुआ अभिभावकों संरक्षण को वह गणमान्य अतिथियों से सभागार भरा रहा और पूरा हॉल बच्चों की प्रतिभा का साक्षी बना कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद वह मोतीलाल मेमोरियल सोसायटी के अध्यक्ष श्री उज्जवल रमण सिंह जी ने दी प्रजनन कर किया सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत बच्चों की गणेश वंदना से हुई इसके बाद बच्चों ने एक से बढ़कर एक संदेशपरक और मनोरंजन प्रस्तुतियां दी लोक कथा आधारित नाटक तीन विचित्र वरदान और रविंद्र नाथ टैगोर की रचना पर आधारित नृत्य नाटिका चंडलीका की मुख्य अतिथि ने विशेष सराहना की बच्चों की रचनात्मक वह आत्मविश्वास से भारी प्रस्तुतियों पर सभागार बार-बार तालिया से गूंज उठा प्रतिभागी बच्चों को सांसद उज्जवल रमण सिंह सोसाइटीके उपाध्यक्ष रत्नेश गुप्ता व प्रशासन परिषद की सदस्यों ने पुरस्कृत किया उपाध्यक्ष रत्नेश गुप्ता ने बच्चों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और अभिभावकों प्रशिक्षकों वह आयोजकों के प्रयासों की सरहाना की मुख्य अतिथि उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे समृद्ध विरासत के संरक्षण का प्रभावी माध्यम है यह आयोजन श्रद्धेय चंद्रभान गुप्ता जी के सपनों को सफल करने की दिशा में सार्थक प्रयास है उन्होंने बाल संग्रहालय के पदाधिकारी व कर्मचारियों को बधाई दी समापन पर रविंद्रालय के सचिव सुधीर हलवासियों ने अपनी सभी अतिथियों व अभिभावकों का आभार जताया इस अवसर पर प्रताप सिंह केशव प्रसाद अजय शंकर राय गणेश चंद्र मिश्रा मनोज कुमार गुप्ता आनंद जी रेखा कुमार अजय जी शिव कुमार जी एवं आर पांडे से कई गणमन उपस्थित रहे

12वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर करे योग - रहे निरोग का दिया संदेश। अमित शर्मा (सिद्धू)

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारतीय योग संस्थान द्वारा सेक्टर 5, गिरिराज वाटिका पार्क, विकास नगर में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल के अनुसार मनाया गया। कार्यक्रम में सूक्ष्म क्रियाएं, आसन, प्राणायाम, ध्यान व विभिन्न योगासनों का सामूहिक अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ लोहिया नगर वार्ड के पार्षद राकेश मिश्रा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उन्होंने सभी साधकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। श्री रामप्रेम परिवार के अध्यक्ष अमित शर्मा %सिद्धू% ने कहा कि प्रधानमंत्री की योग अभिरुचि से प्रेरणा लेकर कार्यकर्ता लगातार योग शिविरों में भागीदारी कर रहे हैं और योग साधना को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने करे योग - रहे निरोग का संदेश दिया। भारतीय योग संस्थान की क्षेत्रीय प्रधान रेणु पाठक व केंद्र प्रमुख सुनीता गुप्ता ने बुजुर्गों के साथ युवाओं को भी योग से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योग से शरीर व मानसिक गतिविधियों में सामंजस्य स्थापित कर स्वस्थ जीवन का लाभ लिया जा सकता है। कार्यक्रम में आलोक कुमार गुप्ता, राम प्रसाद यादव, मानवेंद्र सिंह यादव, एस.आर. रत्नाकर, शीतला प्रसाद अवस्थी, राहुल गुप्ता, सुनील बाजपेई, सचिव रितिका शर्मा, इंदिरा थापा, विजय जायसवाल, कुमकुम गुप्ता, कल्पना सिंह, सीमा यादव, किरण चौरसिया, सुनीता त्रिवेदी समेत बड़ी संख्या में गणमान्य व स्थानीय लोग उपस्थित रहे। स्वयंसेवक अखंड शुक्ला व मुख्य शिक्षक आशुतोष के साथ गिरिराज शाखा के सभी स्वयंसेवक भी कार्यक्रम में शामिल हुए। समापन पर सभी ने एक-दूसरे को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं।

एसजीपीजीआई ने रचा नया कीर्तिमान– दो बच्चों के दुर्लभ कैंसर का सफल उपचार

● जटिल सर्जरी से मिली नई जिंदगी, 10 माह के शिशु में लिवर कैंसर तथा 11 वर्षीय बालक में दुर्लभ पैंक्रियाटिक ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) ने बाल कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो बच्चों में पाए गए अत्यंत दुर्लभ और जटिल कैंसर का सफल उपचार किया है। पीडियाट्रिक सर्जिकल सुपर स्पेशियलिटी विभाग की विशेषज्ञ टीम ने कई घंटों तक चली चुनौतीपूर्ण सर्जरी के जरिए दोनों बच्चों को नई जिंदगी दी। पहला मामला अयोध्या के 10 माह के शिशु का था, जिसे हेपेटोब्लास्टोमा नामक लिवर कैंसर था। ट्यूमर ने लिवर के 70 प्रतिशत से अधिक हिस्से को प्रभावित कर दिया था और वह शरीर की प्रमुख रक्त वाहिका आईवीसी के बेहद निकट था। चार चक्र कीमोथेरेपी के बाद लगभग छह घंटे तक चली जटिल सर्जरी में ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। दूसरा मामला प्रयागराज के 11 वर्षीय बालक का था, जिसके अग्न्याशय (पैंक्रियास) के सिर में दुर्लभ एसपीईएन ट्यूमर पाया गया। इस ट्यूमर के कारण बालक को पीलिया, बुखार और बार–बार संक्रमण की समस्या हो रही थी। लगभग आठ घंटे तक चली जटिल व्हिपल सर्जरी के माध्यम से ट्यूमर को पूरी तरह हटाया गया। दोनों सर्जरियों का नेतृत्व विभागाध्यक्ष प्रो. बसंत कुमार ने किया। सर्जिकल टीम में डॉ. तरुण कुमार, डॉ. शुचि और डॉ. आनंद शामिल रहे, जबकि लिवर ट्रांसप्लांट यूनिट तथा एनेस्थीसिया विभाग ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया। प्रो. बसंत कुमार ने कहा कि बच्चों में कैंसर के मामलों की समय रहते पहचान और विशेषज्ञ केंद्रों में उपचार से बेहतर परिणाम संभव हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों में पेट की गांठ, लगातार दर्द, पीलिया, बार–बार बुखार या वजन न बढ़ने जैसे लक्षणों को गंभीरता से लेने की अपील की। संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो. आर.के. धीमन के मार्गदर्शन में मिली यह सफलता एसजीपीजीआई की उन्नत चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों और बहु–विषयक उपचार प्रणाली की उत्कृष्टता को दर्शाती है। दोनों बच्चे अब स्वस्थ हैं और नियमित फॉलो–अप में अच्छा स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

महानगर पुलिस ने एक किलो 150 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना महानगर पुलिस को अपराध नियंत्रण और चेकिंग के दौरान एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए निशातगंज स्थित नेता जी पार्क के पास से एक शातिर गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के पास से 1 किलोग्राम और 150 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान अमन सोनकर उर्फ चिकना उम्र लगभग 25 वर्ष, पुत्र स्वर्गीय राजन सोनकर, निवासी 512/234 पाँचवीं गली निशातगंज, थाना महानगर, लखनऊ के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह ज्यादा पैसे कमाने के लालच में घूम-घूम कर लोगों को गांजा बेचा करता था। पुलिस टीम ने उसकी निशानदेही पर पार्क के कोने में झाड़ियों के बीच प्लास्टिक की पन्नी में छिपाकर रखा गया 01 किलो 150 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पकड़े गए अभियुक्त अमन सोनकर उर्फ चिकना का पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पहले भी थाना महानगर और थाना मदेयगंज में मारपीट, चोरी और धोखाधड़ी जैसी गंभीर धाराओं आईपीसी 323, 336, 379, 411, 420 आदि के तहत मामले दर्ज हैं। इस मामले में पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ थाना महानगर पर मु.अ.सं. 111/2026 के अंतर्गत धारा 8/20 एनडीपीएस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर उसे हिरासत में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उप-निरीक्षक उ0नि0 अरुण प्रताप सरोज, उप-निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार, कांस्टेबल का0 राकेश चौबे, कांस्टेबल मोहित सिंह और कांस्टेबल शिवकुमार शामिल रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सोहम योग एवं योगा विथ सुधीर द्वारा मेगा हेल्थ एंव वेलनेस कैंप का आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर हरी ओम पार्क, भूतनाथ मार्केट निकट, इंदिरा नगर में सोहम योग- द सोल ऑफ वेलनेस एवं योगा विथ सुधीर द्वारा पार्क व्यू रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन व दाशा फाउंडेशन के सहयोग से मेगा हेल्थ एवं वेलनेस कैंप व रक्तदान शिविर का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. समीर कुमार

सिंह व डॉ. सुधीर पाल ने किया। क्षेत्रीय विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पार्षद अशोक उपाध्याय, मुंशीपुलिया व्यापार मंडल के गोपाल अग्रवाल, पार्क व्यू आरडब्ल्यूए पदाधिकारी व कई गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। सामूहिक योगाभ्यास के साथ कैंप में होम्योपैथी परामर्श, नेत्र परीक्षण, डेंटल चेकअप, एक्यूप्रेशर, स्वास्थ्य व पोषण मार्गदर्शन, वेलनेस कोचिंग, स्वास्थ्य बीमा व वित्तीय स्वास्थ्य परामर्श जैसी सेवाएं निःशुल्क दी गईं। बीएमआई, स्किन एनालिस व डाइट काउंसलिंग का लाभ भी बड़ी संख्या में लोगों ने उठाया। हेल्थ सिटी ब्लड बैंक के सहयोग से लगे रक्तदान शिविर में कई लोगों ने रक्तदान कर समाजसेवा का उदाहरण पेश किया। विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव ने कहा कि योग स्वस्थ व संतुलित जीवन का आधार है। नियमित योगाभ्यास, स्वास्थ्य जागरूकता व जल संरक्षण जरूरी है। उन्होंने आयोजन को समाज के लिए उपयोगी पहल बताया। कैंप में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं, युवाओं व वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य, योग व सामुदायिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ व समृद्ध समाज के संकल्प के साथ हुआ।

गंगागंज के मिनी स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशाल योग शिविर का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पतंजलि योग समिति, गंगागंज, लखनऊ द्वारा मिनी स्टेडियम गंगागंज में विशाल योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे, एमएलसी इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह एवं एमएलसी अंगद सिंह की गरिमामयी उपस्थिति तथा पतंजलि योग समिति गंगागंज के अध्यक्ष नागेश कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के स्वामी अभिषेक देव एवं आचार्य लोकेंद्र के उद्बोधन से हुआ। पद्मश्री सम्मानित प्रगतिशील किसान रामसरन वर्मा का स्वागत किया गया। योग प्रशिक्षक ओंकार नाथ सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं नागरिकों को योग और प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा इसके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में अखिल भारत नागरिक परिषद की महामंत्री रीना त्रिपाठी ने टीम सहित, अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। एमएलसी अवनीश कुमार सिंह एवं अंगद सिंह ने सफल आयोजन के लिए पतंजलि योग समिति गंगागंज और उनकी टीम को बधाई दी। वक्ताओं ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और ऊयोग भगाए रोगऊ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आयोजक नागेश कुमार (अध्यक्ष, पतंजलि योग समिति गंगागंज, लखनऊ), अनिल कुमार वर्मा (कार्यक्रम संयोजक), ब्लॉक प्रमुख डिंपल वर्मा,पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख विनोद वर्मा ,उदय राज वर्मा (प्रभारी, पतंजलि योग समिति लखनऊ), युवा मोर्चा से अभिषेक चौहान, खुरदही बाजार व्यापार मंडल से राजू शुक्ला,ओंकार नाथ सिंह, साधक शेर बहादुर थापा, रवि वर्मा, राजेश पटेल, विजय कुमार वर्मा, सूर्य प्रकाश वर्मा, सरिता तिवारी, रामकुमार पांडे, आनंद जायसवाल सहित हजारों योग साधक उपस्थित रहे।

योग की शक्ति से एकजुट हुआ समाज, राजधानी में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

नम्रता पाठक बोलीं- योग केवल व्यायाम नहीं, मानवता को जोड़ने वाली जीवन साधना है

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में योग कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। विश्वभर में मनाए गए इस विशेष दिवस पर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहभागिता की, वहीं लखनऊ में भी बड़ी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। आलमबाग स्थित समर विहार कॉलोनी के सेंट्रल पार्क में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेष पाठक की धर्मपत्नी एवं समाजसेवी नम्रता पाठक उपस्थित रहीं। उन्होंने योगाभ्यास करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि योग केवल एक व्यायाम पद्धति नहीं, बल्कि ऐसी जीवन साधना है जो पूरे मानव समाज को एक सूत्र में बांधने की क्षमता रखती है तथा स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली की ओर प्रेरित करती है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी गिरिश मिश्रा ने कहा कि योग हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के साथ–साथ व्यक्तित्व एवं चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। इस अवसर पर समर विहार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कृपाल सिंह ऐबट सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, महिलाएं, युवा एवं वरिष्ठजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि योग केवल स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, मानसिक शांति और मानवीय एकता का भी सशक्त आधार है। राजधानी में हुए उत्साहपूर्ण आयोजनों ने योग के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता और स्वस्थ भारत के संकल्प को नई मजबूती प्रदान की।

संपादकीय

ईरान को अमरीका पर एक रणनीतिक बढ़त

क्या अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच 17वीं सदी के फ्रांसीसी महल वर्साय में 17 जून को हस्ताक्षरित अमरीका-ईरान समझौता स्थायी शांति लाएगा? या फिर यह एक ऐसी शांति साबित होगा, जो दोनों देशों के बीच अगले युद्ध की तैयारी के लिए एक छोटी अवधि बनकर रह जाएगी? सबसे पहले, यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि अमरीका और इसराईल ने मिलकर काम करते हुए भी न तो ईरान को हराया है और न ही वह सत्ता परिवर्तन हासिल कर पाए हैं, जिसके लिए वे निकले थे, हालांकि ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को एक इसराईली हवाई हमले में मारे गए थे। नया शक्ति संतुलन रू ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमरीकी चिंताएं बनी हुई हैं लेकिन इसे समाप्त करने के लिए बातचीत की अवधि को 60 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। तेहरान को, हालांकि, बैलिस्टिक मिसाइलें रखने की 'अनुमति' दी जाएगी क्योंकि ट्रम्प का मानना है कि यदि सऊदी अरब और कतर सहित अन्य देशों के पास ये मिसाइलें हैं, तो पूरी निष्पक्षता के साथ ईरान के पास भी होनी चाहिएं। कुछ हद तक उल्लेखनीय रूप से, अमरीका ईरान को 'पुनर्घ्नर्माण' के लिए 300 अरब डॉलर की सहायता प्रदान करेगा और वाशिंगटन ईरान पर से 'सभी प्रकार के प्रतिबंधों' को समाप्त कर देगा। हॉर्मुज पर से नाकेबंदी हटाने और जलडमरूमध्य के माध्यम से मुक्त आवागमन को बहाल करने के बदले में तेहरान को अब आध्थक राहत मिलेगी। हॉर्मुज में नौवहन को बंद करने की ईरान की क्षमता, उसकी बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को बनाए रखने और अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में उसकी खुली वापसी के साथ, 4 महीने तक भारी बमबारी झेलने के बावजूद उसे पश्चिम एशिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक के रूप में स्थापित करेगी। महीनों की तबाही और वैश्विक आर्थिक व्यवधान के बाद आया यह परिणाम, ट्रम्प के दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों की सबसे बड़ी विदेश नीति विफलता को दर्शाता है, जिसके परिणाम पश्चिम एशिया में अमरीका की रणनीतिक चुनौतियों का सामना करना पहले से कहीं अधिक कठिन बना देंगे। पश्चिम एशियाई देश और अन्य देश भी इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि अमरीका ईरान जैसे कमजोर देश के खिलाफनिर्णायक जीत हासिल करने में विफल रहा। वाशिंगटन ने खुद को अविश्वसनीय, अप्रत्याशित और सनकी भी दिखाया। इससे स्थिरता बनाए रखने की वाशिंगटन की क्षमता पर क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वास को ठेस पहुंचेगी। अमरीका की साख कम हुई है रू इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर ट्रम्प ने युद्ध समाप्त करने और लेबनान पर हमले रोकने का दबाव डाला था। क्या इसकी कीमत उन्हें इस साल के अंत में होने वाले चुनावों में हार के रूप में चुकानी पड़ेगी, यह एक खुला सवाल है। इसराईल ने इस संघर्ष में बड़े पैमाने पर संसाधन झोंक दिए। उसके नागरिकों को ईरान से बार-बार बमों की धमकियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद, नेतन्याहू ईरानी सत्ता परिवर्तन का अपना अंतिम लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। इस समझौते का अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ा है लेकिन सवाल यह है कि क्या वे कम से कम उस स्तर तक गिरेंगी, जो युद्ध शुरू होने से पहले था और वहां टिकी रहेंगी? गुरुवार को तेल की कीमतें युद्ध शुरू होने के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गईं। इस बीच, ईरानी तेल की बिक्री पर से प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। एक लेन-देन वाली कूटनीति पर चलने वाला भारत, जिसने ईरान पर हमला करने के दौरान अमरीका और इसराईल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन की कभी निंदा नहीं की, जब तक मौका अच्छा है, उतना ईरानी तेल खरीदेगा जितना वह खरीद सकता है। एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय देश ने ईरानी क्रांतिकारी शासन को वैधता प्रदान कर दी है, जबकि अमरीका के साथ दोनों के जुड़ाव के बावजूद पश्चिम एशियाई महाशक्ति के रूप में उभरने के इसराईल के सपने को चकनाचूर कर दिया है। हालांकि ईरान का अधिकांश नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचा बमबारी से नष्ट हो गया था लेकिन उसने खाड़ी देशों और वैश्विक अर्थव्यवस्था की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करके उन्हें भारी दर्द देने की अपनी क्षमता दिखाई। युद्ध का कोई भी नया प्रकोप जो ईरान को फिर से बमबारी के अभियान के दायरे में लाएगा, वह साथ ही अमीर खाड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिए आर्थिक दर्द को बढ़ाएगा, दुनिया भर में उच्च मुद्रास्फीति को गति देगा और अमरीका में संभावित मंदी का कारण बनेगा। नई शांति वार्ता की स्थिति में, ईरान के पास अधिक मजबूत सौदेबाजी की शक्ति होगी, क्योंकि वह अमरीका की रणनीतिक अक्षमता को उजागर करने में सक्षम होगा। एक सैन्य रूप से कमजोर ईरान की कूटनीति ने स्पष्ट रूप से उसकी कमजोरियों की भरपाई कर दी है।

जहरीली होती जमीन?

देश की उपजाऊ मिट्टी में रसायनों का जहर घुल रहा है। खेत बंजर होते जा रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट (2025-26) में खुलासा हुआ है कि सर्वाधिक श्डीएपीश् (डाय-अमोनियम फॉस्फेट) की खपत वाले देश के शीर्ष 100 जिलों में मध्यप्रदेश के 11 जिले शामिल हैं यानी रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में मध्यप्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया है। इस सूची में मध्यप्रदेश के अधिकांश जिले वे हैं, जहां ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती होती है। विशेषकर नर्मदा किनारे के जिलों में डीएपी और यूरिया की खपत सबसे अधिक है। नर्मदा क्षेत्रों में होशंगाबाद (नर्मदापुरम), सीहोर, हरदा और जबलपुर में मूंग की खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का भारी उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट बताती है कि 91 प्रतिशत किसानों को कृषि विभाग से उर्वरक संबंधी प्रशिक्षण या सलाह नहीं मिली। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, कृषि और संबद्ध क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 16 प्रतिशत का योगदान करता है और 46 फीसदी से अधिक आबादी के लिए भरण-पोषण एवं आजीविका उपलब्ध करवाता है। इसके लिए प्रतिवर्ष लगभग 601 लाख मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक और 55 से 60,000 टन रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। भारत दुनिया में उर्वरकों का दूसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता और तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 1950-51 में भारतीय किसान मात्र सात लाख टन रासायनिक उर्वरक का उपयोग करता था। उर्वरक उत्पादन के लिए जरूरी कच्चा माल आयात करना पड़ता है। यूरिया के कुल आयात का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा ओमान, सऊदी अरब, कतर और संयक्त अरब अमीरात (यूएई) से आता है। डीएपी के मामले में अकेले सऊदी अरब की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से ज्यादा है। होर्मुज जलडमरूमध्य और प्रमुख जलमार्गों में व्यवधान के कारण यूरिया और डीएपी बनाने के लिए जरूरी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। उर्वरक आयात और प्राकृतिक गैस की ऊंची कीमतों के कारण भारत सरकार पर सब्सिडी का बोझ तेजी से बढ़ा है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2026 में कुल उर्वरक सब्सिडी 3.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। दूसरी तरफ, कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग से न सिर्फफसल प्रभावित होती है, बल्कि जमीन की सेहत और फसल खाने वाले इंसानों और जानवरों की सेहत के साथ ही पर्यावरण पर भी बेहद प्रतिकूल असर पड़ता है। अनाज और सब्जियों के माध्यम से लोगों के शरीर में पहुंचे जहर से तरह-तरह की बीमारियां हो रही हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) की रिपोर्ट के मुताबिक रासायनिक खाद के बढ़ते इस्तेमाल के कारण देश की 30 फीसदी जमीन बंजर होने की कगार पर है। यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल ने नाइट्रोजन चक्र को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। नाइट्रस-ऑक्साइड एक ग्रीनहाउस गैस है, जो जलवायु परिवर्तन के संकट को बढ़ाने में बड़ा योगदान देती है। कीटनाशकों के प्रयोग से भूजल और पर्यावरण में जहर घुल रहा है। भारतीय कृषि के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है-1967-68 में शुरू हुई श्हरित क्रांति। इसकी मुख्य बात थी, सिंचाई की गारंटी के साथ अधिक फसल वाले बीजों, अधिक उर्वरक और कीटनाशकों का इस्तेमाल। श्हरित क्रांतिश् के कारण देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर तो हो पाया, लेकिन 1980 के दशक से हरित क्रांति भी संकट में फंस गई। खेती में बढ़ती लागत के कारण किसान कर्ज के दलदल में फंसकर आत्महत्या करने को विवश हो गए।

बिहार पुलिस का भरत तिवारी एनकाउंटर सवालों के घेरे में?

अनूप सिंह

हो गई है पीर पर्वत-सी, पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि ये सुरत बदननी चाहिए,

बिहार में व्यवस्था से उपजी पीड़ा और बदलाव की उम्मीद को दर्शाता है। है ये प्रसिद्ध कवि दुष्यंत कुमार की ये पंक्तियां उस दर्द की आवाज को दर्शाती हैं, जो व्यवस्था से निराश होकर बदलाव की मांग करती है। जब किसी व्यक्ति को लगता है कि उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही, उसकी समस्याएं अनदेखी हो रही हैं और सिस्टम के अधिकारी उसके सवालों का जवाब नहीं दे रहें, तब उसके भीतर एक बेचैनी जन्म लेती है। ऐसा ही बिहार में भोजपुर शाहपुर थाना क्षेत्र बिलौटी गांव के रहने वाले भरत तिवारी की कहानी भी कुछ ऐसा ही दर्शाती है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस कहानी का अंत सवालों, गोलियों,और विवादों के बीच दफन कर दी गई है। बिहार का एक नवयुवक भरत तिवारी बीएससी पास नव युवक था। पिता बिहार पुलिस में कार्य कर चुके थे। क्षेत्रीय एवं गांव के लोगों के अनुसार, पिछले एक-दो वर्षों से वह बाढ़, कटाव, सरकारी वादों और स्थानीय समस्याओं को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार वीडियो बना रहा था। भरत तिवारी क्षेत्रीय एवं गांव वालों की आवाज सरकार में बैठे पदाधिकारियों तक पहुंचानें का कम कर रहा थे, कुछ को लगता था कि उनकी समस्याएं सत्ता तक नहीं पहुंच रहीं। बिहार में 17 जून 2026 दिन बुधवार को भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र बिठौली गांव में लोग पूरी तरह से जाग भी नहीं पाए थे की गोलियों की तड़पनाहट की आवाज से पूरा इलाका खरा उठा कुछ ही घंटे बाद सोशल मीडिया पर खबर आई थी। सिस्टम से सवाल पूछने वाले 30 वर्षीय युवक भरत तिवारी को पुलिस ने एनकाउंटर में मौत के घाट उतार

दिया। भरत तिवारी की जिन्दगी का पहला बड़ा मोड़ 16 जून को तब आया। जब सोशल मीडिया पर पिस्टल के साथ लाइव दिखाई दिया। वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। सूचना मिलने के बाद पुलिस भरत तिवारी के घर पहुंची। पुलिस और भरत तिवारी के बीच घंटों तक बातचीत चली। लेकिन पुलिस ने उसे हिरासत में नही लिया। सबसे बड़ा सवाल यह है। जब पुलिस वहां पहुंच चुकी थी, तब भरत तिवारी को हिरासत में क्यों नहीं लिया गया? उसका हथियार जब्त क्यों नहीं किया गया? क्या आखिर पुलिस बिना किसी कार्रवाई के वापस क्यों लौट गई? 17 जून दिन बुधवार की सुबह लगभग 5 बजकर 10 मिनट। पुलिस के अनुसार उन्हें सूचना मिली कि भरत तिवारी के पास अवैध हथियार है। स्थानीय पुलिस और विशेष बल ने उसके घर की घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि जैसे ही दरवाजा खुला, भरत तिवारी ने तत्कालीन थानाध्यक्ष पर पिस्टल तान दी। पुलिसकर्मी पीछे हटी, जिसके बाद वह छत पर चढ़ गया और कई राउंड फायरिंग की। पुलिस का कहना है कि आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी और उसके पैरों पर गोली चलाई गई। लेकिन कहानी का दूसरा पक्ष बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता हुआ नजर आ रहा है। फेसबुक लाइक पर साफ दिखाई दे रहा था कि कई पुलिस वाले भरत तिवारी को चारों ओर से घेरे हुए है। वीडियो में दिखाई भी दे रहा है। भरत तिवारी ने आत्मसमर्पण कर अवैध हथियार पुलिस की आगे डालते हुए भी दिख रहा है। वही परिवार एवं ग्रामीणों का दावा है कि भरत तिवारी ने फेसबुक लाइव के दौरान अपना अवैध हथियार पुलिस के आगे फेंक दिया था। वीडियो में उसे सरेंडर की बात करते हुए देखा गया। आरोप है कि लाइव बंद होने के बाद गोलियां चलीं और उसे कई गोलियां मारी गईं। परिवार एवं ग्रामीणों का कहना है, कि वह निहत्था था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने इस विवाद को और गहरा कर दिया। पुलिस का कहना है कि भरत तिवारी ने हथियार फेंकने के बाद फिर से उसे उठाने की कोशिश की थी। दूसरी ओर परिवार एवं ग्रामीणों का आरोप है कि उसने पूरी तरह आत्मसमर्पण कर दिया था। सवाल उठने लगा कि यदि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ था, जैसा कि पुलिस का दावा है, तो फिर उससे निपटने के लिए क्या वैकल्पिक उपाय अपनाए गए? घटना के बाद भोजपुर और बिहार का माहौल गरमा गया। ग्रामीणों ने आरा-बक्सर हाईवे जाम कर दिया। मोमबत्ती मार्च निकाले गए। कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए और पुलिस को लाठीचार्ज तक फटकारनी पड़ी। प्रशासन ने भी तेजी दिखाई। शाहपुर थानाध्यक्ष, एक सब-इंस्पेक्टर और अन्य पुलिसकर्मियों सहित कई अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई 16 जून की कथित लापरवाही को लेकर की गई है, या सीधे एनकाउंटर के लिए। वही बिहार पुलिस ने भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी और भाई चंदन तिवारी पर भी अवैध हथियार रखने और संरक्षण देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई। भरत तिवारी पर भी अवैध हथियार रखने, पुलिस पर फायरिंग और सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के आरोप लगाए गए। मामले ने राजनीतिक के गलियारों में भी रंग ले लिया है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने वायरल वीडियो को संदेह पैदा करने वाला बताया और निष्पक्ष जांच की मांग की। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने सवाल उठाया कि यदि आत्मसमर्पण हुआ था, तो गोली चलाने की जरूरत क्यों पड़ी। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तो भरत तिवारी की तुलना भगत सिंह से करते हुए इसे व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का प्रयास बताया।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी बिहार सरकार को घेरते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। भरत भूषण तिवारी की मौत सिर्फ एक एनकाउंटर का मामला नहीं रह गया है। भरत तिवारी का एनकाउंटर की कहानी कई सवाल छोड़ गए है। क्या वह एक हथियारबंद हमलावर था या भ्रष्टाचार व्यवस्था से निराश एक युवक था? क्या पुलिस ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की या भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों को इस एनकाउंटर से बचाने की कोशिश की है? क्या वायरल वीडियो ने पूरी सच्चाई दिखा कर प्रसाशन में बैठे अधिकारियों की कहानी का पर्दा फाश किया है या फिर कोई हिस्सा अभी भी पर्दे के पीछे है? दुष्यंत कुमार की कविता की तरह यहां भी एक पीड़ा है, एक बेचैनी है और एक मांग है, सच्चाई सामने आने की। लेकिन जब मौत के बाद सवाल गोलियों की तड़तड़ाहट से ज्यादा गूंजने लगें, तब समाज सिर्फ का हर एक वर्ग जवाब चाहता है,आखिर उस सुबह भोजपुर जिले शाहपुर थाना क्षेत्र बिलौटी गांव में सचमुच क्या हुआ था?

राजनैतिक व्यंग्य-समागम

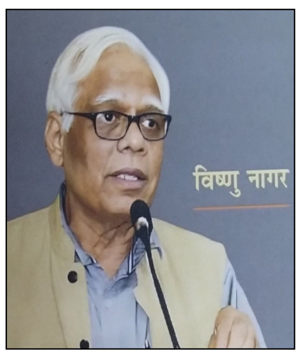

1. अब गांधीजी का रिकॉर्ड तोड़ने की धुन! ~ विष्णु नागर

इंदिरा गांधी से भी अधिक समय तक लगातार प्रधानमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड मोदी जी तोड़ चुके हैं। दावा उनका यह भी है कि उन्होंने इस रेस में जवाहरलाल नेहरू को भी पीछे छोड़ दिया है और 9 जून के बाद से हर दिन उन्हें पीछे छोड़ते जा रहे हैं। वैसे मोदी जी नेहरू जी से आशंकित रहते हैं। पीछे मुड़कर बार-बार देखते हैं कि कहीं चाचा नेहरू उनसे आगे निकलने का षड़यंत्र तो नहीं कर रहे हैं, मगर जब दूर-दूर तक कोई दिखाई नहीं देता, तो मोदी जी दस कदम आगे बढ़ते हैं। ग्यारहवें कदम पर फिर पीछे मुड़कर देखते हैं, फिर दस कदम आगे बढ़ते हैं। उन्हें यह वाक्य हमेशा याद रहता है कि सावधानी हटी कि दुर्घटना घटी! नेहरू को तो इस प्रकार वह संघ प्रदत्त %चाल, चेहरे और चरित्र% के दम पर निबटा चुके हैं। अब उनका नेक्स्ट टारगेट महात्मा गांधी हैं। उन्हें निबटाना उनकी उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उनका रिकॉर्ड मोदी जी को तोड़ना है, क्योंकि उनका रिकार्ड नहीं तोड़ा, तो फिर क्या तोड़ा! हथौड़े से नहीं टूटा, तो योगी जी के बुलडोजर से तोड़ेंगे। उससे भी नहीं टूटा, तो विस्फोटक लगाकर फोड़ देंगे, मगर तोड़ेंगे जरूर और तोड़े बिना मानेंगे नहीं। यह उनका अपने आप से वायदा है, इसलिए महात्मा गांधी भी अब उनसे बच नहीं पाएंगे। गांधी जी जितनी भी कोशिश करना चाहें, कर लें। कोशिश करने पर कोई रोक नहीं है, मगर उनका रिकार्ड तो तोड़ेगा मोदी ही। इसे तोड़ने की ए टू जेड प्लानिंग हो चुकी है। %महात्मा गांधी रिकार्ड तोड़ समिति% का गठन किया जा चुका है। गृहमंत्री इसके अध्यक्ष हैं। सूत्रों की मानें, तो इसकी एक से अधिक बैठकें हो चुकी हैं। समिति के सामने फिलहाल समस्या यह है कि गांधी जी का रिकॉर्ड मोदी जी तोड़ें, तो तोड़ें कैसे? सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि गांधी जी प्रधानमंत्री नहीं बने। बन गए होते, तो फट से उनका रिकार्ड तोड़-ताड़ कर वह फेंक देते। अमित शाह जी ने ठीक पहचाना कि गांधी जी %चतुर बनिया% थे। %चतुर बनिया% थे, इसलिए वे प्रधानमंत्री नहीं बने। यहां तक कि सरदार पटेल को भी नहीं बनने दिया। जवाहरलाल नेहरू को फंसा दिया कि तुम बनो प्रधानमंत्री! कसम से, अगर गांधी जी प्रधानमंत्री बने होते तो मोदी जी वो दांव खेलते कि अब तक गांधी जी का नाम दुनिया से गायब हो चुका होता! संयोग से दोनों गुजराती हैं। गांधी जी के पिता पोरबंदर के दीवान थे। मोदी जी के सामने जन्म लेने से पहले यह च्वाइस थी कि वे किसी दीवान के घर जन्म लें, मगर उन्हें मुख्यमंत्री ही नहीं, प्रधानमंत्री भी बनना था। उनकी प्लानिंग अलग थी। उन्हें चुनाव लड़ना और जीतना था। किसी दीवान के घर वे जन्म लेते, तो उन्हें राजनीतिक घाटा हो सकता था। प्रधानमंत्री बनने में यह पृष्ठभूमि बाधक बन सकती थी। काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने चायवाले के रूप में भारत-भू पर अवतार लेना उचित समझा! फिर भी एक ग़लती उनसे हो गई कि उन्होंने किसी तरह एम ए तो %एंटायर पोलिटिकल साइंस% में कर लिया, मगर जल्दबाजी में %एंटायर% वाली एल एल बी करना भूल गए! अगर वह कर लेते, तो गांधी जी से कंपीट करना उनके लिए आसान हो जाता। आजकल कौन ससुरा गांधी जी की तरह वकालत करने के लिए इंग्लैंड जाकर बैरिस्टरी करता है! संभव है कि तब तक मोदी जी ने सोचा नहीं होगा कि एक दिन उन्हें महात्मा गांधी को भी निबटाना है। तब तक उनकी नज़र नेहरू जी से आगे नहीं बढ़ पाई होगी। एक ग़लती उनसे और हुई कि एक दिन के लिए भी वे जेल नहीं गये, जबकि गांधी जी लगभग सात बरस तक विभिन्न जेलों में रहे। एक दिन के लिए तो छोड़ो, मोदी जी आठ घंटे के लिए भी जेल नहीं गए। थाने में चार घंटे बैठकर थानेदार के साथ चाय पीते हुए गपशप तक नहीं की। इतना कर लिया होता, तो मां कसम एंटायर पोलिटिकल साइंस से प्राप्त ज्ञान के आधार पर वह गांधी जी से अधिक समय तक जेल में रहने का रिकॉर्ड तैयार करवा लेते! गांधी जी को मात दे देते! इमरजेंसी में जेल जाने का सुनहरा मौका उन्हें घर बैठे मिला था, मगर जेल? के नाम से उन्हें आज भी इतना डर लगता है कि उस अवसर का लाभ उन्होंने नहीं उठाया। छुप-छुप कर, बच-बचकर रहे। सत्याग्रह कभी किया नहीं। जब भी किया दुराग्रह ही किया। सच कभी बोला नहीं। अहिंसा में उनका विश्वास कभी रहा नहीं। सारी दुनिया 2 अक्टूबर को अहिंसा दिवस के रूप में मनाती है, मोदी जी इसे स्वच्छता दिवस के रूप में मनवाते हैं। साफ जगह पर कचरा डलवाकर सफाई का रिकॉर्ड बनाते हैं। गांधी जी की तरह एक सफ़ेद धोती से पूरा शरीर ढंकना उनकी कल्पना की कल्पना से भी परे है। रेलवे के थर्ड क्लास तो क्या, किसी भी क्लास में सफ़र करने के नाम से उन्हें कंपकंपी छूट जाती है। लाठी कभी छुई नहीं। बकरी का दूध कभी पिया नहीं। दो अक्टूबर को फोटो खिंचवाने के अलावा चरखे को कभी हाथ लगाया नहीं। हिंदू-मुस्लिम एकता से उन्हें इतना परहेज है जितना कि कुछ लोगों को बैंगन या करेले खाने से होता है। इसके बाद एक ही तरीका बचता है कि महात्मा गांधी से बड़े बनने का कि उनसे ज्यादा दिन जिंदा रहकर बताएं। यह काम वह आसानी से कर सकते हैं। मोदी जी सितंबर में जीवन के 76 वर्ष पूरे कर लेंगे। गांधी जी ने कुल 78 वर्ष का जीवन पाया था। दो वर्ष और कुछ दिन की और बात है बस। गांधी जी कुल 28608 दिन जीवित रहे थे। जिस दिन साहेब इससे एक दिन अधिक जी लेंगे, मतलब जिस दिन वह 28609 वें दिन में प्रवेश कर लेंगे, उसी दिन, उसी क्षण से वह गांधी जी से आटोमेटिकली बड़े हो जाएंगे। मोदी जी के अनुसार, गांधी जी को तो दुनिया उस दिन से जानने लगी थी ,जब रिचर्ड एटनबरो ने गांधी जी पर 1982 में फिल्म बनाई थी। मोदी जी अपने जीवन काल में इसके केवल बीस साल बाद वर्ल्ड फेमस हो गए, जब उनकी उम्र महज़ 52 साल थी। इतनी कम उम्र में उनके नेतृत्व और निर्देशन में गुजरात में जो 2002 हुआ, उसके कारण उनकी ख्याति इतनी बढ़ गई कि अमेरिका तक उनके कारनामों से दंग रह गया।उसने इन्हें किसी भी तरह का वीज़ा देने से मना कर दिया। इस तरह गांधी जी को अंतरराष्ट्रीय ख्याति मरने के बाद मिली , जबकि मोदी जी को गुजरात की सत्ता मिलते ही कुख्याति मिल गई। इस तरह मोदी जी लगभग दो साल बाद गांधी जी से न केवल बड़े हो जानेवाले हैं और महान तो वह आज से चौबीस वर्ष पहले 2002 में ही हो चुके थे! (कई पुरस्कारों से सम्मानित विष्णु नागर साहित्यकार और स्वतंत्र पत्रकार हैं। जनवादी लेखक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।)

2. पीएम, पीएम, पीएम नंबर वन! ~ राजेंद्र शर्मा

अब बोलें, क्या कहते हैं बात-बात में और बहुत बार तो बिना बात के ही, नेहरू जी के देश का पहला प्रधानमंत्री होने की याद दिलाने वाले। मोदी जी ने इंदिरा जी तो इंदिरा जी, उनके बाप को भी आखिरकार पछाड़ ही दिया। नेहरू जी के प्रधानमंत्री के पद पर रहने के कुल 4398 दिन के सामने, मोदी ने 4399 दिन की उससे लंबी लकीर खींच दी और नेहरू जी को पीछे छोड़ दिया। और सच पूछिए तो मोदी जी, नेहरू जी को पीछे छोड़ने पर ही रुक नहीं गए। नेहरू जी को पीछे तो उन्होंने 10 जून को ही छोड़ दिया था। उसके बाद भी मोदी जी लगातार नेहरू जी को ज्यादा से ज्यादा पीछे छोड़ते जा रहे हैं और अपनी जीत का अंतर बढ़ाते ही जा रहे हैं। यह दूसरी बात है कि मोदी जी के पीएम नंबर वन बनने के जश्न अभी चल ही रहे हैं। सच पूछिए तो अभी तो शुरुआत है। अभी तो मंत्री लोगों ने मंदिर-मंदिर जाकर, भगवान का जो थैंक यू किया है, मोदी जी को नंबर पीएम बनाने के लिए, उसकी तस्वीरें हर तरह के मीडिया पर आयी ही हैं। अभी तो मोदी जी के मंत्रिमंडल ने, ईश्वर का धन्यवाद किया है कि उसने, मोदी जी को उनका प्रधान बनने के लिए भेजा। अभी तो एनडीए ने अपने भाग्य की सराहना की है कि मोदी है, तो ही दिल्ली की गद्दी पर उनका कब्जा मुमकिन है। अभी तो विदेश मंत्रालय के बाबुओं की सिफारिश पर विदेशी नेताओं के भेजे बधाई संदेश मोदी जी ने सोशल मीडिया पर पाए हैं और मोदी जी ने उनको जवाबी धन्यवाद ज्ञापन के संदेश पठाए हैं। पार्टी लंबी चलेगी। अभी तो पार्टी शुरू हुई है। पब्लिक वाला जश्न तो अभी शुरू भी नहीं हुआ है। क्या कीजै, मोदी जी उधर नेहरू जी को पछाड़ने में बिजी थे और रोड शो, रैलियों वगैरह में कटौती कर के तेल के डालर बचा रहे थे और इधर पब्लिक कॉकरोचों के पीछे लग गयी। और तो और, मोदी जी-शाह जी को ठीक से बंगाल फतेह करने को सेलिब्रेट करने का मौका तक नहीं दिया। माने बंगाल में थोड़ा-बहुत सेलिब्रेशन तो हुआ, जो राज में बैठकर कल तक सब को पीटते थे, वो तृणमूली थोड़े-बहुत पिटे, उससे ज्यादा कुछ डर से, कुछ लालच से टूटे, पर बस इतना ही। और तो और, राजधानी दिल्ली में तो उनके सांसदों को मोदी जी की पार्टी में ठीक से मिलाया तक नहीं जा सका, जैसे आम आदमी पार्टी वालों को मिलाया गया था। तब तक न जाने कहां से कॉकरोच निकल आए। और निकलते ही चले आ रहे हैं। हद्द तो ये है कि जिन्होंने पेपर का प तक नहीं देखा होगा, वो भी पेपर लीक, पेपर लीक का शोर मचा रहे हैं। और मोदी जी के शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांग रहे हैं, यह जानते हुए भी कि मोदी जी के राज में इस्तीफे नहीं होते। यह मोदी जी के राज का सिद्धांत है। और मोदी जी अपने सिद्धांत पर कभी समझौता नहीं करते। इसीलिए, मोदी जी हफ्ते भर का ब्रेक लेकर, यूरोप के दौरे पर निकल गए हैं। तब तक कॉकरोचों का जोश भी ठंडा पड़ जाएगा और बड़े-बड़े नेताओं से सीधे, पीएम नंबर वन बनने की बधाई लेने और उसके लिए धन्यवाद देने का मौका भी मिल जाएगा। किसी मैडल-वैडल का जुगाड़ भी हो गया, तो वह बोनस में। वैसे मोदी जी को मैडलों के पीछे भागने की जरूरत नहीं है। नेहरू जी-वेहरू जी को तो वह न जाने कब का पछाड़ चुके थे, अब तो वह दुनिया भर में सबसे ज्यादा विदेशी मैडल बटोरने वाले नेता बन चुके हैं। फिर भी अगर मैडल आते रहते हैं और बाकी विश्व नेताओं से मोदी जी के मैडल फासला बढ़ता रहता है, तो मोदी जी भी मान देने वाले का सम्मान करने में कोताही नहीं होने देते। फिर भी, सिर्फ कॉकरोच ही नहीं, मोदी जी के पुराने विरोधी भी, उनके पीएम नंबर वन बनने के जश्न में रंग में भंग डालने से बाज नहीं आए हैं।

मोदी जी अच्छी तरह समझते हैं कि ये उनके नेहरू जी को पछाड़कर पीएम नंबर वन बनने पर, इन विरोधियों की खिसियाहट ही है, जो ये पार्टी का मजा किरकिरा करने पर तुले हैं। वर्ना बताइए, तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने का शोर मचाकर, मोदी जी के पीएम नंबर वन बनने की पार्टी खराब करने की क्या तुक हुई? लड़ाई अमेरिका-ईरान की। मिसाइल मारी अमेरिका ने। जहाज राम न जाने किस का, हमारा नहीं। जहाज न जाने किस के समंदर में, हमारे में नहीं। ये नाविक कमाई के चक्कर में दूसरों के जहाजों पर काम करने गए थे, हमारे यानी सरकार के कहने से नहीं। फिर लड़ाई के बीच में आकर मारे गए, तो इसमें मोदी क्या कर सकता है? अमेरिका ने मोदी से पूछकर हेलफायर मिसाइल थोड़े ही मारी थी। मरने वाले मोदी के लिए मरे हैं क्या? फिर भी, मोदी की सरकार ने विरोध जताया है कि नहीं? अमेरिका का नाम भले ही नहीं लिया हो, ऐसे हमले बंद करने के लिए कहा है कि नहीं? और क्या चाहिए! बच्चे की जान लोगे क्या? विरोधी जो इसका शोर मचा रहे हैं कि मोदी जी ने भारतीय नागरिकों के मारे जाने पर विरोध क्यों नहीं जताया, पीएम नंबर वन बनने पर ट्रंप की बधाई पर अपने जवाबी धन्यवाद में, यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया, उनकी नीयत क्या है, यह मोदी जी अच्छी तरह से पहचानते हैं! अमरीका के साथ रिश्ते बढ़ाने में तो मोदी जी बहुत-बहुत पहले ही पीएम नंबर वन बन चुके थे। न नेहरू, न इंदिरा, न राजीव, न राव, न बाजपेयी, यहां तक कि देसाई तक ने, न कभी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए अमेरिका जाकर चुनाव प्रचार किया था और न किसी अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए भारत में ''नमस्ते ट्रंप'' कराया था! मोदी का यही नंबर वन होना, इनकी आंखों में खटकता है। ये चाहते हैं कि मोदी, ट्रंप से झगड़ा कर लें और वह भी सिर्फ तीन नाविकों के चक्कर में -- मजबूरी में जयशंकर को जिस तरह विरोध जताना पड़ा, मोदी वैसे ही विरोध जताए और जो जवाब रूबियो ने जयशंकर को दिया, वैसा ही जवाब ट्रंप, मोदी को सुनाए! यानी अमेरिका-भारत का रिश्ता नीचे खिसक कर, नेहरू नहीं, तो कम से कम इंदिरा गांधी के टैम वाले दर्जे पर आ जाए। पर पीएम नंबर वन के दर्जे के साथ मोदी कंप्रोमाइज कभी नहीं कर सकता। आखिर, पेरिस में ट्रंप से डीयर फ्रेंड मोदी भी तो कहलवाना है। और ये जो व्हाट्सएप इतिहास के विरोध के नाम पर, मोदी जी के पीएम नंबर वन होने पर ही सवाल उठा रहे हैं, उनकी दलीलें सिर्फ तकनीकी हैं। माना कि नेहरू जी कुल 16 साल, 282 दिन देश के प्रधानमंत्री रहे थे और इंदिरा गांधी, 15 साल 356 दिन। इस हिसाब से मोदी जी को इंदिरा गांधी का रिकार्ड तोड़ने के लिए भी अभी चार साल इंतजार करना पड़ेगा और नेहरू का रिकार्ड तोड़ने के लिए, पांच साल। पर लोहिया जी ने कहा था – – जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं। मोदी जी ने भी पांच साल इंतजार नहीं किया। इंदिरा गांधी का रिकार्ड यह कहकर छोटा किया और तोड़ दिया कि उनके करीब 16 साल में एक ब्रेक था। और नेहरू का रिकार्ड यह कहकर छोटा कर दिया कि उनके करीब सत्रह साल में, पहले पांच साल तो स्वतंत्र भारत के पहले चुनाव से पहले के थे। और हो गए मोदी जी, पीएम नंबर वन! अब प्लीज कोई ये मत कहना कि मोदी जी ज्यादा वक्त तक प्रधानमंत्री पद पर रह भी जाएं तब भी, भारत के पहले प्रधानमंत्री यानी पीएम नंबर वन तो नेहरू जी ही रहेंगे। ये सरासर चीटिंग है। पहले या आखिरी से क्या फर्क पड़ता है, अब पीएम नंबर वन तो मोदी जी ही माने जाएंगे। ट्रंप तक की बधाई आ चुकी है, और क्या चाहिए?

महंगाई, बेरोजगारी व बुलडोजर पर सपा का हल्लाबोल

➲ राष्ट्रपति के नाम भेज सौंपा ज्ञापन

फतेहपुर, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी ने शनिवार को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को लेकर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप सिंह यादव के नेतृत्व में सैकड़ों सपाइयों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश में महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। घरेलू उपयोग की वस्तुओं के दाम आम जनता की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं, जबकि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं। नेताओं ने कहा कि धर्म और जाति की राजनीति के जरिए जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है। जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप सिंह यादव ने कहा कि प्रदेश में जाति और धर्म के आधार पर बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है, जिससे समाज में भय और असंतोष का माहौल बन रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनकाउंटर और हाफएनकाउंटर के नाम पर लोगों को निशाना बनाया जा रहा है और सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए सांप्रदायिक और जातीय उन्माद को बढ़ावा दे रही है। सपा द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर तत्काल रोक लगाने, खाद, उर्वरक और बीजों के बढ़े दामों पर नियंत्रण करने तथा खरीफ सीजन से पहले किसानों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके अलावा बिजली दरों में की गई वृद्धि वापस लेने, प्रस्तावित बढ़ोतरी रोकने और किसानों को कम से कम 20 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी ढंग से आयोजित कराने, निरस्त परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को यात्रा एवं आवास भत्ता देने, मर्जर के नाम पर बंद किए गए विद्यालयों को पुनः संचालित करने तथा पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में कथित गड़बड़ियों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। सपा नेताओं ने महिला अपराधों में बढ़ोतरी पर चिंता जताते हुए प्रभावी रोकथाम की मांग की। साथ ही राजनीतिक विरोधियों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमों, फर्जी मुठभेड़ों और बुलडोजर कार्रवाई की सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय जांच कराने तथा प्रभावित लोगों को मुआवजा दिलाने की मांग भी उठाई। प्रदर्शन में सदर विधायक चंद्रप्रकाश लोधी, हुसैनगंज विधायक उषा मौर्य, राजकुमार मौर्य, पूर्व सांसद डॉक्टर अशोक पटेल, संतोष द्विवेदी, चौधरी मंजर, जगदीश सिंह चौहान, महेंद्र बहादुर सिंह बच्चा, जंगबहादुर सिंह मखालू, अरुणेश पाण्डेय, वंदना राकेश शुक्ला, प्रदीप सोनकर, गार्गीदीन बाजपेयी, संदीप कुमार श्रीमाली, महेन्द्र निषाद, आशीष नामदेव, प्रमोद यादव, अमित मौर्य, मोहम्मद आजम खान, अंकित सिंह यादव, रईस अहमद, नागेन्द्र सिंह, रत्नेश रत्ना, कपिल यादव, कुश वर्मा, लवकुश, शिवसरन सिंह यादव, विनोद शुक्ला, रीता प्रजापति, नरेश उमराव, बीरेन्द्र यादव, प्रवीण पटेल, नन्दकिशोर पाल, नफीसा बानो, दलजीत निषाद, रविकरण सिंह और संगीता राज पासी सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पति से झगड़ महिला ने खाया, इलाज दौरान मौत

फतेहपुर, (संवाददाता)। बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घरही खेड़ा में रोज-रोज के झगड़े से तंग आकर 32 वर्षीय महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसे उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल में लिये रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वहीं मृतका के पिता ने पति पर जहर देकर मार डालने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार घरहीखेड़ा गांव निवासी संजय की पत्नी आरती देवी ने रोज-रोज के झगडे से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ समय बाद जब उसकी हालत बिगडने लगी तो परिजन उसे लेकर बिन्दकी सीएचसी पहुंच जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं घर वाले सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां इलाज दौरान देर रात महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन ग्रह भेज दिया। पोस्ट मार्टम हाउस में मृतका के पिता रामभजन निवासी कंनचौली मजरे हरचंदखेड़ा थाना औंग ने बताया कि उसके पति ने ही उसकी पुत्री को जबरन जहर खिला दिया है।

भरत तिवारी मुठभेड़ पर गरमाई सियासत

➲ न्यायिक जांच व दोषियों पर कार्रवाई की मांग ➲ कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

फतेहपुर, (संवाददाता)। बिहार में भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस प्रकरण को लेकर राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (आरएएम) ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजते हुए पूरे मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच और दोषी पुलिस अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने घटना को मानवाधिकारों और संवैधानिक मूल्यों पर सीधा प्रहार बताते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की आवाज बुलंद की।

शनिवार को राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजीव मिश्रा एवं अयोध्या प्रभारी शैलेंद्र शास्त्री के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन और नारेबाजी के बीच सदर उपजिलाधिकारी अर्चना अग्निहोत्री को ज्ञापन सौंपते हुए संगठन ने कहा कि यदि भरत तिवारी आत्मसमर्पण की स्थिति में थे अथवा निहत्थे थे, तो उन पर गोली चलाया जाना कानून के शासन और संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। ऐसे में मामले की निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराना अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन में संगठन ने 12 प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि घटना की न्यायिक जांच कराई जाए तथा जांच पूरी होने तक मुठभेड़ में शामिल सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। कानूनी कार्रवाई की जाए। मोर्चा ने पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक योग्य सदस्य को सरकारी नौकरी, परिजनों एवं गवाहों की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की निगरानी में जांच कराने की मांग भी उठाई। संगठन ने मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए त्वरित न्यायालय में सुनवाई कराने, साक्ष्य नष्ट करने या छिपाने वालों के विरुद्ध अलग से मुकदमा दर्ज करने तथा दोषियों को किसी भी स्तर पर संरक्षण न देने की मांग भी की। इस अवसर पर आलोक गौड़, आकाश तिवारी, पायल गुप्ता, सपना सिंह, विकास शुक्ला, रिंकू पांडेय, अभय द्विवेदी, अमोघ दुबे, पंकज तिवारी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

दर्द से राहत, अब बिना ऑपरेशन होगा रीढ़ का उपचार

फतेहपुर, (संवाददाता)। रीढ़ एवं कमर दर्द से पीड़ित मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। शहर स्थित हनुमंत स्पाइन ऑर्थो क्लिनिक में उत्तर प्रदेश की पहली अत्याधुनिक स्पाइन एमटी कोर मशीन स्थापित की गई है। यह उन्नत पुनर्वास एवं चिकित्सीय तकनीक आधारित उपकरण रीढ़ संबंधी रोगों के सटीक आकलन और बिना ऑपरेशन उपचार में सहायक साबित होगा। क्लिनिक के निदेशक डॉ. आशुतोष तिवारी ने बताया कि यह मशीन कमर दर्द, गर्दन दर्द, स्पाइनल विकार, नस दबने की समस्या तथा अन्य रीढ़ संबंधी बीमारियों के उपचार में प्रभावी भूमिका निभाएगी। मशीन में लगे स्मार्ट फीडबैक सेंसर मरीज के शरीर की वास्तविक न्यूरोलॉजिकल प्रतिक्रिया के आधार पर कार्य करते हैं और स्पाइन पर पड़ने वाले तनाव को स्वतः नियंत्रित करते हैं। उन्होंने बताया कि मशीन शरीर की प्रतिक्रिया के अनुसार उपचार प्रक्रिया को समायोजित करती है, जिससे मरीज की रिकवरी बेहतर होती है और मांसपेशियों में जकड़न या सख्ती नहीं आती। इसके साथ लगी स्मार्ट स्क्रीन उपचार के दौरान शरीर में हो रही विभिन्न प्रतिक्रियाओं की जानकारी मरीज को रियल टाइम में उपलब्ध कराती है। डॉ. तिवारी ने बताया कि यह अत्याधुनिक मशीन शिनवा मेडिकल कंपनी, साउथ कोरिया द्वारा विकसित की गई है, जबकि भारत में इसका वितरण सिनर्जी कंपनी द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तकनीक के माध्यम से रीढ़ संबंधी समस्याओं से जूझ रहे मरीजों को आधुनिक और प्रभावी उपचार उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर डॉ. आनंद, भानु एवं डॉ. मुकुल सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

बच्चों ने एआई में दिखाया दम, नवाचार से जीता सबका दिल

➲ सुपरपावर समर कैंप के समापन समारोह में छात्रों ने पेश किए शानदार एआई प्रोजेक्ट्स

फतेहपुर, (संवाददाता)। आईटीआई रोड स्थित डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल में नेक्सस इंटेलिजेंस द्वारा आयोजित सात दिवसीय एआई सुपरपावर समर कैंप-2026 का समापन एआई स्टूडेंट शोकेस एवं सम्मान समारोह के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विद्यार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नवाचारी प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत कर अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी संगीता सिंह रहीं।

विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर कृष्णा उप्पल तथा ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर के अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नई तकनीकों की समझ भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सात दिवसीय कैंप में कक्षा 4 से 9 तक के विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, रचनात्मक सोच, जिम्मेदार तकनीकी उपयोग और समस्या समाधान जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपने एआई आधारित मॉडल और प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए, जिन्हें अभिभावकों और अतिथियों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल एवं ब्रिलियंट ओरिएंटल स्कूल के विद्यार्थियों के बीच मैत्रीपूर्ण एआई प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में जैद मझहर को एआई एक्सप्लोरर अवॉर्ड, सृष्टि को मोस्ट क्यूरियस माइंड अवॉर्ड तथा एकरा को मोस्ट इम्प्रूव्ड अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथि संगीता सिंह ने कहा कि तकनीक के इस दौर में बच्चों का नई तकनीकों से परिचित होना समय की आवश्यकता है। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें तकनीक का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना भी सिखाते हैं। नेक्सस इंटेलिजेंस के संस्थापक एवं प्रोग्राम लीड फैज़ान खान ने कहा कि संस्था का उद्देश्य बच्चों को केवल एआई टूल्स का उपयोग सिखाना नहीं, बल्कि उन्हें तकनीक की गहराई समझाकर भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा बाजपेयी ने अतिथियों, अभिभावकों एवं नेक्सस इंटेलिजेंस की टीम का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन छात्र सम्मान, प्रमाण-पत्र वितरण और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर फहमी मजहर, शिव कुमार, उत्कर्ष पटेल, अनन्या, अनामिका सिंह, जुनेराह सैय्यद, विभोर एवं अंजनीश सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं विद्यालय प्रबंधन के सदस्य उपस्थित रहे।

दहेज हत्या मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर, (संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना ललौली पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार थाना ललौली में दर्ज मुकदमा संख्या 163/2026, धारा 85/80(2) बीएनएस एवं 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित प्रकरण में वांछित अभियुक्त रमाकांत 25 वर्ष पुत्र गोला निवासी ग्राम सिधांव, थाना ललौली, जनपद फतेहपुर को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद भर में वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना ललौली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

मोहर्रम को लेकर पुलिस हाई अलर्ट, सुरक्षा से समझौता नहीं : एसपी

➲ जुलूस मार्गों व संवेदनशील क्षेत्रों की होगी विशेष निगरानी

फतेहपुर, (संवाददाता)। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मोहर्रम के जुलूस मार्गों, ताजिया स्थलों तथा संवेदनशील क्षेत्रों का पूर्व निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगा। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित करने तथा स्थानीय धर्मगुरुओं, गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है। गोष्ठी में अधिकारियों को त्योहार के दौरान सोशल मीडिया गतिविधियों पर पैनी नजर रखने, अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने तथा संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही पुलिस बल को अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने की हिदायत दी गई। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था के सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

चेम्बर हटाने से पहले अधिवक्ताओं को मिले वैकल्पिक स्थान, सीडीओ को सौंपा ज्ञापन

खागा, फतेहपुर, (संवाददाता)। तहसील परिसर में अधिवक्ताओं के चेम्बरों को हटाए जाने की संभावित कार्रवाई को लेकर शनिवार को अधिवक्ताओं ने समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि प्रभावित वकीलों को पहले वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए, उसके बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई की जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता रामसखा द्विवेदी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने बताया कि तहसील परिसर में आबकारी विभाग की खाली पड़ी भूमि पर वर्षों से कई अधिवक्ता अपने चेम्बरों से विधि व्यवसाय कर रहे हैं। हाल ही में आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर रमेश सिंह की ओर से उक्त भूमि पर बने चेम्बरों को हटाने की चेतावनी दिए जाने के बाद अधिवक्ताओं में चिंता बढ़ गई है। ज्ञापन में मांग की गई कि सबसे पहले आबकारी विभाग की भूमि का विधिवत चिन्हांकन कराया जाए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि कितने चेम्बर प्रभावित हो रहे हैं। इसके बाद प्रभावित अधिवक्ताओं के लिए तहसील परिसर में ही उपयुक्त स्थान चिन्हित कर चेम्बर बनाने की व्यवस्था की जाए। अधिवक्ताओं का कहना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के चेम्बर हटाए जाने से उनके पेशेवर कार्य प्रभावित होंगे और न्यायिक कार्यों में भी व्यवधान उत्पन्न होगा।

जनसत्ता दल की बैठक में संगठन मजबूत करने पर जोर

➲ विधानसभा चुनाव गठबंधन को शीर्ष नेतृत्व तय करेगा

फतेहपुर, (संवाददाता)। जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह श्राजा भैयाश् के निर्देश पर शनिवार को सर्किट हाउस (डाक बंगला) में पार्टी की संगठनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) बलबीर सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष (किसान प्रकोष्ठ) बलबीर सिंह चौहान रहे। बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

साथ ही बूथ स्तर तक संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा जनसमस्याओं को लेकर पार्टी की भूमिका को और प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रदेश पदाधिकारियों ने संगठन को सशक्त बनाने के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जिलाध्यक्ष राणा राघवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ कार्य करें। उन्होंने संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक में पश्चात प्रदेश अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) बलबीर सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष (किसान प्रकोष्ठ) बलबीर सिंह चौहान ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि उनका लक्ष्य पार्टी को प्रदेश के सभी जनपदों में मजबूत करना है आगामी विधानाभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कहाकि विधानसभा चुनाव पार्टी अकेले लड़ेगी या किसी दल से गठबंधन से इसका निर्णय पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तय करेगा। इस मौके पर किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनय शुक्ला, युवा जिलाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, अधिवक्ता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अनंत सिंह चंदेल, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव दादा, जिला सचिव अमन मौर्य, नवनीत प्रताप सिंह, अजीम, जितेंद्र जीतू, धीरज बाबा, वैभव, प्रदीप सिंह, अजय लोधी, सौरभ, अयान, मनीष, शिववरदानी सिंह, बबलू पाल, शिवम, आदित्य, अनिकेत, अजीत, मोंटू, रवींद्र सिंह, आदिल, मनोज, संदीप, अभिषेक, जगदीश लोधी, धीरेंद्र सिंह चौहान, विकास सिंह, रामू शुक्ला (प्रधान जी), सौरभ सिंह, शिवा, भोला सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

सुशासन की चौपाल 229 पीएम आवास पात्रों की सूची का खुला वाचन

फतेहपुर, (संवाददाता)। विकास खंड बहुआ की ग्राम पंचायत सुजानपुर (बहुआ देहात) स्थित मिनी सचिवालय भवन में शनिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत एक खुली बैठक एवं सुशासन चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान हेमलता पटेल की अध्यक्षता तथा ग्राम पंचायत सचिव जितेंद्र कुमार की मौजूदगी में आयोजित बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुषों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आवास प्लस सर्वेक्षण के अंतर्गत तैयार की गई 229 पात्र लाभार्थियों की सूची का सार्वजनिक रूप से वाचन किया गया। खुले मंच पर पूरी पारदर्शिता के साथ सूची पढ़े जाने से ग्रामीणों में संतोष और विश्वास का माहौल देखने को मिला। उपस्थित ग्रामीणों ने सूची पर सहमति जताते हुए पंचायत की इस पारदर्शी कार्यशैली की सराहना की। ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा सरकारी योजनाओं की जानकारी समयबद्ध और खुले तरीके से उपलब्ध कराए जाने से लोगों को योजनाओं का लाभ लेने में आसानी हो रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खुली बैठकों से पात्रता को लेकर किसी प्रकार का भ्रम नहीं रहता और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान हेमलता पटेल ने कहा कि गांव के अंतिम पंक्ति में खड़े वास्तविक और पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पंचायत टीम हर जरूरतमंद परिवार के साथ खड़ी है और किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

धर्म परिवर्तन केस में बड़ा मोड़ मंसूब अहमद को मिली जमानत

➲ एक लाख के मुचलके पर जमानत मंजूर, गवाहों को प्रभावित न करने समेत कई शर्तें लागू
➲ वरिष्ठ अधिवक्ता जावेद खान व शोएब खान की प्रभावी दलीलों से मिली राहत

फतेहपुर, (संवाददाता)। जनपद के बहुचर्चित धर्म परिवर्तन मामले में शनिवार को उस समय बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया, जब अपर सत्र न्यायाधीश/एफटीसी कोर्ट संख्या-1, फतेहपुर ने आरोपी मंसूब अहमद की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए उसे निर्धारित शर्तों के साथ रिहा किए जाने का आदेश पारित कर दिया। कोर्ट के इस फैसले के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। गौरतलब है कि थाना खखरेरू में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या-84/2026 में मंसूब अहमद पर एक युवती को प्रेम संबंधों के जाल में फंसाने, उसका अश्लील वीडियो बनाने, धमकी देने तथा धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के अलावा उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई थी। जमानत अर्जी पर हुई सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जावेद खान और अधिवक्ता शोएब खान ने अदालत में मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा। उन्होंने मुकदमे के तथ्यों, उपलब्ध साक्ष्यों, केस डायरी तथा विभिन्न न्यायिक दृष्टांतों का हवाला देते हुए आरोपी को जमानत दिए जाने की मांग की। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि मामले के सभी पहलुओं को निष्पक्ष रूप से देखा जाना आवश्यक है और आरोपी को जमानत का लाभ दिया जाना चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन करने के बाद न्यायालय ने आरोपी को राहत प्रदान करते हुए जमानत मंजूर कर ली। अदालत ने आदेश दिया कि मंसूब अहमद को एक लाख रुपये के निजी मुचलके तथा समान धनराशि के दो जमानतदार प्रस्तुत करने पर रिहा किया जाए। हालांकि अदालत ने जमानत के साथ कई महत्वपूर्ण शर्तें भी लगाई हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि आरोपी को प्रत्येक सुनवाई पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना होगा, किसी भी गवाह या साक्ष्य को प्रभावित करने का प्रयास नहीं करना होगा, मुकदमे की सुनवाई में अनावश्यक विलंब नहीं करना होगा तथा अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जाना होगा। कोर्ट के इस आदेश के बाद अधिवक्ता समुदाय में वरिष्ठ अधिवक्ता जावेद खान और अधिवक्ता शोएब खान की प्रभावी पैरवी चर्चा का विषय बनी हुई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों अधिवक्ताओं ने मामले के कानूनी और तथ्यात्मक पक्ष को मजबूती के साथ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अपने मुवक्किल को महत्वपूर्ण राहत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। धर्म परिवर्तन से जुड़े इस चर्चित मामले में जमानत मिलने के बाद अब सभी की निगाहें आगामी न्यायिक प्रक्रिया और मुकदमे की सुनवाई पर टिकी हुई हैं।

तालाब नहाने समय बालक डूबा मौत

फतेहपुर, (संवाददाता)। किशनपुर थाना क्षेत्र के खेमकरनपुर गांव का रहने वाला 9 वर्षीय बालक रिश्तेदारी में गया हुआ था। जहां तालाब में स्नान करते वक्त डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। खेमकरनपुर गांव निवासी रामकिशोर सिंह का 9 वर्षीय पुत्र हिमांशु सिंह अपनी बुआ के यहा अंदमऊ गांव गया हुआ था। वहीं घर के पड़ोस में ही स्थित एक तालाब में वह स्नान करने लगा। जहां स्नान के दौरान वह गहरे पानी में जाने से डूब गया। किशोर की डूबने की सूचना पर आनन-फानन में परिजनों ने तालाब में किशोर की तलाश शुरू की। थोड़ी देर बाद तालाब में डूबे किशोर को बाहर निकाला गया। बाहर निकाल आनन-फानन में परिजन उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरदो ले गए।

समाधान दिवस में 217 शिकायतें, डीएम ने अफसरों को लगाई फटकार

फतेहपुर, (संवाददाता)। तहसील बिंदकी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को जनसमस्याओं की सुनवाई के दौरान कुल 217 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 32 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में विधायक जहानाबाद राजेन्द्र सिंह पटेल, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही समाधान दिवस की सफलता का पैमाना है। डीएम ने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। ग्राम पंचायत सहायकों के माध्यम से पात्र लोगों के आवेदन कराकर उन्हें योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। राजस्व विभाग के अधिकारियों और लेखपालों को ग्राम सचिवालयों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार नियमित बैठने तथा गांव स्तर पर ही समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ग्राम चौपालों में संबंधित विभागों के अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया।

बहू-बेटी सम्मेलन में महिला सम्मान और पारिवारिक सौहार्द का दिया संदेश

● मिशन शक्ति केंद्र की पहल- दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं को किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। महिला सशक्तीकरण एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से थाना सरोजनीनगर पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र टीम द्वारा रविवार को ग्राम गेहरू में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं, महिलाओं एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करना था। सम्मेलन के दौरान मिशन शक्ति टीम ने दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, बालिका शिक्षा, साइबर अपराध तथा महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उपस्थित महिलाओं और छात्राओं को शासन द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं, हेल्पलाइन नंबरों तथा आपातकालीन सहायता सेवाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। वक्ताओं ने महिलाओं को शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से समाज में अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज में बढ़ रही घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न जैसी घटनाओं की रोकथाम केवल कानून के बल पर संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवारों में आपसी सम्मान, विश्वास और प्रेम का वातावरण भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि सास अपनी बहू को बेटी की तरह स्नेह और सम्मान दे तथा बहू अपनी सास को मां का दर्जा देकर आदर करे, तो परिवारों में उत्पन्न होने वाले अधिकांश विवाद स्वतः समाप्त हो सकते हैं। इस प्रकार घरेलू हिंसा और पारिवारिक कलह जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को आत्मरक्षा के महत्व, साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्कता तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में निडर होकर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न या भेदभाव की स्थिति में वे संबंधित विभागों और हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता प्राप्त कर सकती हैं। सम्मेलन के दौरान महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए सामाजिक एवं पारिवारिक चुनौतियों पर चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने मिशन शक्ति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं में जागरूकता बढ़ती है और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति, एस एस आई हरद्वारी लाल, महिला पुलिसकर्मी एवं मिशन शक्ति केंद्र की टीम के सदस्य उपस्थित रहे। अधिकारियों ने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं एवं छात्राओं ने महिला सम्मान, समानता, शिक्षा और सुरक्षित समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। ग्रामीण महिलाओं ने इस आयोजन को समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

जानकीपुरम में वर्षों पुरानी सीवर समस्या का स्थायी समाधान, नई सीवर लाइन निर्माण कार्य शुरू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के वार्ड-74 जानकीपुरम द्वितीय के निवासियों को वर्षों पुरानी सीवर समस्या से जल्द ही हमेशा के लिए मुक्ति मिलने वाली है। स्थानीय पार्षद राजकुमारी मौर्य के सतत प्रयासों और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते क्षेत्र में एक नई और बड़ी सीवर लाइन बिछाने के कार्य का भव्य शुभारंभ किया गया है। यह नई सीवर लाइन छुईयापुरवा चौराहा से माँ वैष्णो पैलेस तक बिछाई जा रही है। इस परियोजना को क्षेत्र के विकास के लिए एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। इसके पूर्ण होने से सेक्टर-जी, सेक्टर- एच और ग्राम छुईयापुरवा के हजारों नागरिकों को सीवर जाम, गंदे पानी की निकासी और बारिश के दिनों में होने वाले जलभराव जैसी गंभीर समस्याओं से दीर्घकालिक राहत मिलेगी। स्थानीय निवासियों का अनुमान है कि इस आधुनिक और बड़ी सीवर लाइन के निर्माण से आगामी 20 से 25 वर्षों तक क्षेत्र की सीवर व्यवस्था सुदृढ़ और व्यवस्थित बनी रहेगी। इस ऐतिहासिक शुरुआत पर खुशी जाहिर करते हुए क्षेत्रवासियों ने पार्षद श्रीमती राजकुमारी मौर्य का आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पार्षद ने सदैव जनसमस्याओं को प्राथमिकता दी है और सड़क, नाली, जलनिकासी जैसी बुनियादी सुविधाओं को धरातल पर उतारने में विशेष रुचि दिखाई है। क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान कराना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस परियोजना के पूरा होने से हजारों परिवारों को राहत मिलेगी और जानकीपुरम के समग्र विकास को एक नई गति प्राप्त होगी। इस महत्वपूर्ण और जनहितकारी कार्य को स्थानीय निवासियों ने जानकीपुरम के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और सराहनीय पहल बताया है।

सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग में क्रिकेट का रोमांच चरम पर, युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर । सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर आयोजित सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग लगातार क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान और अवसर प्रदान कर रही है। लीग के अंतर्गत आयोजित इंटर-स्कूल और इंटर-स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रतियोगिताओं में युवाओं का उत्साह यह साबित कर रहा है कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच भी है। इंटर-स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच संख्या 23 में नेशनल पब्लिक स्कूल और श्री गोविंद एसएस इंटर कॉलेज के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेशनल पब्लिक स्कूलश्रध्दा की टीम 62 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्री गोविंद एसएस इंटर कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की। शांतनु को उनके उत्कृष्ट खेल के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच संख्या 24 में सेंट फ्रांसिस स्कूल और राजकीय बाल शिक्षा निकेतन के बीच मुकाबला निर्धारित था, लेकिन राजकीय बाल शिक्षा निकेतन की टीम समय पर मैदान पर नहीं पहुंच सकी। प्रतियोगिता नियमों के अनुसार सेंट फ्रांसिस स्कूल को वॉकओवर देकर विजेता घोषित किया गया। इंटर-स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। तीसरे मुकाबले में लीथल 11 क्रिकेट क्लब ने मानस नगर क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराया। मानस नगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 65 रन बनाए थे। जवाब में लीथल 11 ने लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। शशि सिंह ने 29 रन, 2 विकेट, 2 कैच और 1 रन आउट के साथ ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया। ड्रीम ब्लास्टर क्रिकेट क्लब ने द अनप्रिडिक्टेबल क्लब को 6 विकेट से हराया। वहीं ब्लेज 11 ने स्टूडेंट ऑफ 11 के खिलाफ 10 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। हृदय ने 3 विकेट लेकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया और मैन ऑफ द मैच बने। पीजीआई मौलवी खेड़ा क्रिकेट क्लब को ईस्ट टाइगर क्रिकेट क्लब की अनुपस्थिति के कारण वॉकओवर मिला, जबकि राइजिंग टाइटंस क्रिकेट क्लब को भी नुर्दी खेड़ा क्रिकेट क्लब के मैदान पर नहीं पहुंचने के कारण विजेता घोषित किया गया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग का उद्देश्य युवाओं को खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि खेल मैदानों से निकलने वाली प्रतिभाएं भविष्य में क्षेत्र, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह लीग युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम बन रही है और आने वाले समय में और अधिक प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी।

चोरी की घटना को अंजाम देने वाली को थाना कैसरबाग पुलिस ने धरदबोचा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी के पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की पश्चिम जोन अंतर्गत थाना कैसरबाग पुलिस टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वादी साजिद अली निवासी 89,33 शुतुरखाना मकबूलगंज, थाना कैसरबाग लिखित तहरीर दिया कि वादी के घर में घुसकर महिला ने 20/100, चोरी कर लिया है, वादी की पत्नी ने शातिर चोर महिला को पकड़ लिया, मौके पर थाना कैसरबाग पुलिस पहुंचकर महिला की तलाशी की जिसके कब्जे से कुल 20,100, बरामद किया, महिला से नाम पता पूछने पर अपना नाम रुखसाना बेगम पत्नी स्व रिजवान निवासी गनसरी नरवर पट्टी संदीपनघाट कोखराज जिला कौशांबी, यह पूरी कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ श्री अमरेंद्र कुमार सेंगरा, पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) तथा सहायक पुलिस आयुक्त कैसरबाग के कुशल निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक कैसरबाग अंजनी कुमार मिश्र के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई।उच्चाधिकारियों के कड़े दिशा-निर्देशों पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कामयाबी मिली है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्ता आरोपियों को उनके अपराध की धाराओं से अवगत कराते हुए हिरासत में लिया और मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी कर आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष न्यायिक अभिरक्षा हेतु प्रस्तुत करने की विधिक कार्रवाई पूरी की। आरोपियों के पुराने आपराधिक इतिहास का भी पता लगाया जा रहा है। इस सफल और सराहनीय ऑपरेशन को अंजाम देने वाली थाना कैसरबाग की पुलिस टीम में उप-निरीक्षक सावंत कुमार, उप-निरीक्षक अरविन्द कुमार, उप-निरीक्षक श्री प्रशान्त कुमार और कांस्टेबल अनीश वर्मा शामिल रहे, जिनकी मुस्तैदी के कारण इन शातिर चोरों को सलाखों के पीछे भेजा जा सका।

शुक्लागंज में नए गंगा पुल के लिए चली जेसीबी,39 भवन हटेंगे

उन्नाव। शुक्लागंज में गंगा नदी पर बन रहे नए पुल के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई तेज हो गई है। रविवार को सेतु निगम, राजस्व विभाग और गंगाघाट कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने मिश्रा कॉलोनी में मकानों को हटाने का अभियान शुरू किया। पहले दिन जेसीबी मशीनों की मदद से एक मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया, जबकि अन्य मकान मालिकों को जल्द से जल्द घर खाली करने के निर्देश दिए गए। इस अभियान के तहत सरला देवी के मकान को जेसीबी से गिराकर जमींदोज कर दिया गया। अन्य मकान मालिकों को अपना सामान सुरक्षित निकालने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया। प्रशासन की कार्रवाई को देखते हुए कई लोगों ने रविवार को स्वयं ही अपने मकान खाली करने शुरू कर दिए और उन्हें तोड़ने में जुट गए। नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी ने जानकारी दी कि पुल निर्माण के दायरे में कुल 39 मकान आ रहे हैं। इनमें से अधिकांश मकान मालिकों को नियमानुसार मुआवजे के चेक पहले ही दिए जा चुके हैं। हालांकि, छह मकानों के मालिकाना हक और किरायेदारी को लेकर विवाद है, जिसके कारण इन भवनों का मुआवजा अभी तक नहीं दिया जा सका है। धीरज त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि जिन छह विवादित मकानों का मामला अभी तक निस्तारित नहीं हुआ है, उन पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। शेष मकानों को पुल निर्माण की आवश्यकता के अनुसार हटाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान सेतु निगम के एई, जेई कुंदन, लेखपाल आशू श्रीवास्तव, शशि बिंदु राणा, फाजिल अंसारी और गावर कंस्ट्रक्शन के इंजीनियर देवेंद्र सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

सरोजनीनगर विधानसभा में उत्साहपूर्वक मनाया गया 12वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

➢ विभिन्न योग शिविरों में उमड़ा जनसैलाब, टीम राजेश्वर ने दिया स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर । 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर भव्य योग शिविरों का आयोजन किया गया। आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश आदर्श योग समिति, सेकंड इनिंग सीनियर सिटीजन क्लब, नगर निगम, विकासखंड सरोजनीनगर एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर टीम राजेश्वर ने भी विभिन्न योग शिविरों में सहभागिता करते हुए योग के महत्व और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया। योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों ने नियमित योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हुए स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का संदेश दिया। इन आयोजनों का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाना था। कार्यक्रमों में उपस्थित लोगों को बताया गया कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सकारात्मक बनाने की एक प्रभावी पद्धति है। योग के माध्यम से तनाव, चिंता और विभिन्न शारीरिक समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है तथा व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन और ऊर्जा का संचार कर सकता है। इस अवसर पर माननीय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने संदेश में कहा, योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा है। यह केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मन, विचार और जीवन में संतुलन स्थापित करने की जीवन पद्धति है। स्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग को वैश्विक पहचान मिली है और पूरी दुनिया भारतीय संस्कृति की इस अमूल्य धरोहर को अपना रही है। योग न केवल स्वास्थ्य का आधार है, बल्कि यह आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और मानसिक शांति का भी माध्यम है। कार्यक्रमों के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा अपने परिवार और समाज को भी योग के प्रति प्रेरित करने का संकल्प लिया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने क्षेत्रवासियों से स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योग को जन-जन तक पहुंचाना ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की वास्तविक सार्थकता है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह’में पुलिस को बड़ी कामयाबी, 12 घंटे में 73 वांछित-वारंटी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में जनपद में अपराध की रोकथाम के लिए चलाए गए 12 घंटे के विशेष अभियान ‘ऑपरेशन चक्रव्यूह’ के तहत मीरजापुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन राजकुमार मीणा व अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में कुल 73 वांछित, वारंटी व अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ चलाए गए इस विशेष अभियान में फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ की गई। गिरफ्तार 73 अभियुक्तों में 48 वारंटी, 05 वांछित और 20 अन्य मामलों में शामिल आरोपी हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप है और आम जनता ने पुलिस की इस तत्परता की सराहना की है।

विंध्याचल कोतवाली में धूमधाम से मना विश्व योग दिवस, थाना प्रभारी ने किया योग का नेतृत्व

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

विंध्याचल। विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को विंध्याचल कोतवाली परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी अजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योगाभ्यास कर योग दिवस को सफल बनाया। सुबह थाना प्रांगण में सभी पुलिसकर्मी एकत्र हुए। थाना प्रभारी अजीत सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति और अनुशासन का माध्यम है। पुलिस जैसे तनावपूर्ण कार्य में योग बेहद जरूरी है। इससे एकाग्रता बढ़ती है और कार्यक्षमता में सुधार होता है। इसके बाद प्रशिक्षकों द्वारा अनुलोम-विलोम, कपालभाति, ताड़ासन, वृक्षासन और सूर्य नमस्कार सहित कई योगासन कराए गए। कोतवाली के उपनिरीक्षक, कांस्टेबल, महिला पुलिसकर्मियों के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और युवाओं ने भी पूरे उत्साह से योग किया। कार्यक्रम के अंत में थाना प्रभारी ने सभी से रोजाना योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। ‘करो योग, रहो निरोग’ के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने मनाया द्वादश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, बड़ी भारी संख्या में लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, लखनऊ द्वारा द्वादश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजकीय संकेत विद्यालय, मोहान रोड, लखनऊ में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजन, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा आम नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया और स्वस्थ एवं निरोग जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश कुमार मिश्र, उपनिदेशक लखनऊ मंडल एवं विशिष्ट अतिथि शशांक सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, लखनऊ रहे। इस अवसर पर हरिशंकर, प्रधानाचार्य राजकीय संकेत विद्यालय, संतोष कुमारी गुप्ता, प्रधानाचार्य स्पर्श राजकीय दृष्टि बाधित बालिका इंटर कॉलेज, प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्य राजकीय प्रयास विद्यालय, पुष्पावती देवी, प्रभारी प्रधानाचार्य समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, कृष्णावती पाल, प्रभारी अधीक्षिका राजकीय ममता विद्यालय तथा विजयलक्ष्मी, समन्वयक बचपन डे केयर सेंटर सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में उपस्थित प्रतिभागियों ने योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। अधिकारियों एवं वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाती है। उन्होंने कहा कि योग जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। इस अवसर पर सभी विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कार्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नियमित योग करने तथा समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाने के संकल्प के साथ हुआ। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

केवाईसी के नाम पर कथित खाद घोटाले का आरोप, किसानों ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

☐ यूरिया खाद निकासी में आधार विवरण के दुरुपयोग का आरोप, जिलाधिकारी ने जांच के दिए निर्देश, बसौली गांव पहुंची टीम

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बाराबंकी। तहसील फतेहपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विकासखंड सूरतगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत बसौली से जुड़े एक कथित धोखाधड़ी के मामले ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। करीब पांच दर्जन ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को सामूहिक प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि राशन कार्ड एवं किसान संबंधी केवाईसी कराने के नाम पर उनके आधार विवरण का उपयोग कर उनके नाम पर बिना जानकारी के यूरिया खाद की निकासी दर्ज कर दी गई। ग्रामीणों द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में शिव कैलाश रावत के साथ मुन्ना, राम नारायण, रामू रावत, राधेलाल, मेहंदी हसन, अली हसन, शिव प्यारी, देशराज, फकीर अली, देशराज गौतम, बृजमोहन, प्रियंका देवी, धीरज कुमार, कलावती, मुकेश कुमार, नीलम, दिनेश कुमार, हरिलाल, रोली, संगीता, संजय कुमार, माया देवी, हरी लाल, कुसुमा,रोहित, राजेंद्र, रामविलास, सुनीता देवी, नीरज कुमार, गुलाब देई, राम लखन सहित अनेक ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगभग दो माह पूर्व गांव के कुछ लोगों द्वारा किसानों एवं ग्रामीणों से यह कहकर आधार कार्ड एवं संबंधित विवरण लिए गए कि राशन कार्ड अथवा किसान केवाईसी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बाद में इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर किसानों के नाम से विभिन्न मात्रा में यूरिया खाद निर्गत दिखा दी गई। ग्रामीणों के अनुसार पूरे मामले की जानकारी तब सामने आई जब वर्तमान कृषि सत्र में किसान खाद लेने के लिए स्थानीय बिक्री केंद्रों एवं समितियों पर पहुंचे। वहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर पहले ही खाद वितरण दर्ज हो चुका है। इससे किसानों के सामने कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हो गई। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि कुछ किसानों के नाम पर 13 बोरी, कुछ के नाम पर 17 बोरी तथा कहीं 25 बोरी तक यूरिया खाद निकासी दर्ज दिखाई गई, जबकि संबंधित किसानों को इसकी जानकारी नहीं थी। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि गांव में मशीन के माध्यम से केवाईसी प्रक्रिया संचालित की जा रही थी और लोगों को इसे राशन कार्ड अथवा किसान सत्यापन प्रक्रिया बताया गया था। मामले की जानकारी मिलने पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तहसील फतेहपुर अध्यक्ष प्रेम नारायण सिंह ने प्रभावित किसानों से बातचीत कर उनकी शिकायतों को प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया तथा किसानों के साथ खड़े रहने की बात कही। इसी क्रम में उन्होंने जिलाधिकारी के सीयूजी नंबर पर संपर्क कर पूरे प्रकरण से अवगत कराया। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश दिए। ग्रामीणों के अनुसार शिकायत दर्ज होने के कुछ समय बाद ही जांच टीम गांव पहुंची और संबंधित पक्षों के बयान दर्ज करने सहित आवश्यक तथ्यों का संकलन शुरू किया गया। प्रशासनिक स्तर पर बताया गया कि मामले की जांच कराई जा रही है तथा यदि जांच में आधार विवरण के दुरुपयोग, केवाईसी प्रक्रिया में अनियमितता अथवा खाद वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की गड़बड़ी सामने आती है तो नियमानुसार आवश्यक एवं विधिक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे किसानों का भरोसा व्यवस्था और सरकारी योजनाओं पर बना रहे।

रूबीना दिलैक

चेहरे पर झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, कई बार सेल्फडाउट से गुजरी हूं

टीवी की दुनिया में अपना बड़ा नाम बनाने वाली एक्ट्रेस रूबीना दिलैक कई सालों से एक्टिव हैं और लगातार काम कर रही हैं, लेकिन उन्होंने पर्सनल लाइफमें कई बुरे दिन देखे हैं। एक्ट्रेस ने नवभारत टाइम्स के साथ इस पर खुलकर बात की है। चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट से जूझी...प्रेग्नेंसी फेज पर बोलीं रूबीना दिलैक आईएएस की तैयारियों में मसरूफ रूबीना जब मिस शिमला बनीं, तो उनके जीवन की धारा मुड़ गई। हालांकि उनके पिता डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेज ऑफिसर और लेखक थे, तो भाषा और कला उनके खून में थी। सेब का बिजनेस करने वाले मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने वाली रूबीना हिमाचल के एक छोटे-से कस्बे से मुंबई आईं और छोटे पर्दे पर छा गई। अपने करियर में हर तरह का काम कर चुकी रूबीना आज दो जुड़वा बेटियों की प्राउड मदर हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपने नए रिएलिटी शो द वार्ड से। उनसे एक खास बातचीत। बेटे की चाह में हम तीन बहनें पैदा हुईं आम तौर पर हमारे समाज में बेटे को घर का चिराग और वंश को आगे बढ़ाने वाला माना जाता है। रूबीना ने स्वयं इस मानसिकता को अपने घर में महसूस किया है। वे कहती हैं, श्मुझसे आज भी मेरे गांव वाले पूछते हैं कि रूबीना तुम बेटे के लिए ट्राई करने वाली हो, तो मैं कहती हूं, मुझे भगवान ने दो बेटियां दी हैं।

मैं एक जॉइंट फैमिली में पैदा हुई और मेरे घर में भी हम तीन बहनें थीं। मेरी मम्मी पर हमेशा से प्रेशर था कि बेटा होना चाहिए और उसी प्रेशर के चलते हम तीन बेटियां भी हुईं। मगर फिर मेरे पिता ने तय किया कि वे अपनी तीनों बेटियों को बेटे की तरह पालेंगे। अब जब मैं अपने घर जाती हूं और दादी को पूछती हूं कि क्या उन्हें अब भी पोते की खलिश है, तो वे कहती हैं, नहीं अब वे संतुष्ट हैं अपनी पोतियों से, तो कहीं न कहीं पीढ़ी दर पीढ़ी हमने ये सोच बदली है। ये हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है, क्योंकि हम एक छोटे-से गांव से ताल्लुक रखते हैं। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए एक समय मिस शिमला रहीं रूबीना ने जब टेलिविजन की दुनिया में कदम रखा, तो वे टीवी पर हाइली पेड ऐक्ट्रेस बन गईं, मगर उन्हें भी सेल्फडाउट्स से गुजरना पड़ा है। वे कहती हैं कि वे अब भी सेल्फ डाउट्स का सामना करती हैं। उन्हीं के शब्दों में, श्अपनी टीनएज में सेल्फ डाउट था कि थोड़ी-सी छोटी हूं, थोड़ी-सी मोटी हूं, शायद रोल्स न मिलें। एक डायरेक्टर ने तो मुंह पर कह दिया था कि आपका चेहरा काफी नेगेटिव है, तो आपको रोल नहीं मिलेंगे। पहले शो में तो अभिनय आता ही नहीं था। शूटिंग के पहले दिन 17 रीटेक्स दिए थे। डायरेक्टर ने पीछे से चिल्ला कर कहा, श्ये सेब की पेटी जो हिमाचल से लाए हो, हिमाचल वापिस भेज दो।श् मगर फिर अपने सेल्फ डाउट्स की जर्नी को मैंने एक सक्सेज स्टोरी में तब्दील किया। जब मैं मुंबई पहली बार आई थी, मात्र 19 साल की थी और अपना परिवार, पढ़ाई, दोस्त सभी कुछ छोड़कर आई थी। मैं उस वक्त आईएएस की तैयारी कर रही थी। मुझे लगा कि अभिनय के क्षेत्र में भी मैं कुछ नहीं कर पाई, तो माता-पिता को बहुत सुनना पड़ेगा। तब मैंने अभिनय में खुद को समर्पित कर लिया। चेहरे की झुर्रियां, बढ़ा हुआ वजन, सेल्फ डाउट मदरहुड में रूबीना के लिए सेल्फवर्थ बहुत मुश्किल रहा। वे कहती हैं, श्हाल ही में किसी ने मुझसे पूछा कि आप आखिरी बार कब रोईं, तो मैंने कहा, श्चार दिन पहलेश् क्योंकि अभी डेढ़ -दो महीने पहले ही मैं अपने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से उबरी हूं। उस डिप्रेशन के बारे में आपको कोई नहीं बताता। इस पोस्टपार्टम डिप्रेशन में हमें ये कह कर चुप कराया जाता है, श्डोंट बी अ वोकश(दिखावे की प्रगतिशील मत बनो) मगर ये वॉकिज्म नहीं है। एक साइकॉलजिकल अंधियारा होता है। मैं पूरी तरह से बदल गई थी। सूखा चेहरा, रूखे बाल, बढ़ा हुआ वजन, चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगी थीं। सुबह उठकर आईना देखने का मन नहीं करता था। कभी बिलकुल खाने का मन नहीं करता, तो कभी सिर्फ स्ट्रेस ईटिंग किया करती थी। वो मेरे लिए सेल्फ डाउट का दूसरा पड़ाव था, मगर फिर मैंने अपनी बेटियों के लिए सोचा कि कल को वे क्या कहेंगी कि मम्मी ने ट्रांसफॉर्मेशन के कारण एक्टिंग छोड़ दी। तब मैंने अपना हर तरह से ध्यान रखना शुरू किया और मैं फिर विजेता बनकर चमकी। बच्चे की पैदाइश के बाद मां का नया जन्म होता है रूबीना बताती हैं, श्मैं तो अपने बच्चों के लिए सिब्लिंग्स इसलिए चाहती थी कि मेरे बच्चे आपस में दोस्त हों। हम तीन बहनें हैं और एक उम्र मैंने कर समझ में आया कि बहनों से बेहतर दोस्त कोई हो ही नहीं सकता। ट्विंस मॉम के रूप में मेरी अपनी खुद की एक जर्नी रही है, तो यही वजह है कि मैं शो द वार्ड से जुड़ी।श् अपने शो के बारे में वे कहती हैं, श्यह एक ऐसी कम्युनिटी है जहां नई मांएं और गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक साथ रहती हैं। हमने यह प्लेटफॉर्म इसलिए बनाया क्योंकि अक्सर लोग कहते हैं, श्मां बनना कौन-सी बड़ी बात है?श् लेकिन सच तो यह है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी बातों में से एक है। एक औरत जब बच्चे को जन्म देती है, तो उसके साथ उसका खुद का भी नया जन्म होता है। हमारे शो में 10 महिलाएं हैं जो अलग-अलग ट्राइमेस्टर में हैं। वे अपने अनुभव, डर, भावनाएं, मूड स्विंग्स और पूरी यात्रा को एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट है, जिसके बारे में हमने पहले कभी खुलकर बात नहीं की।श

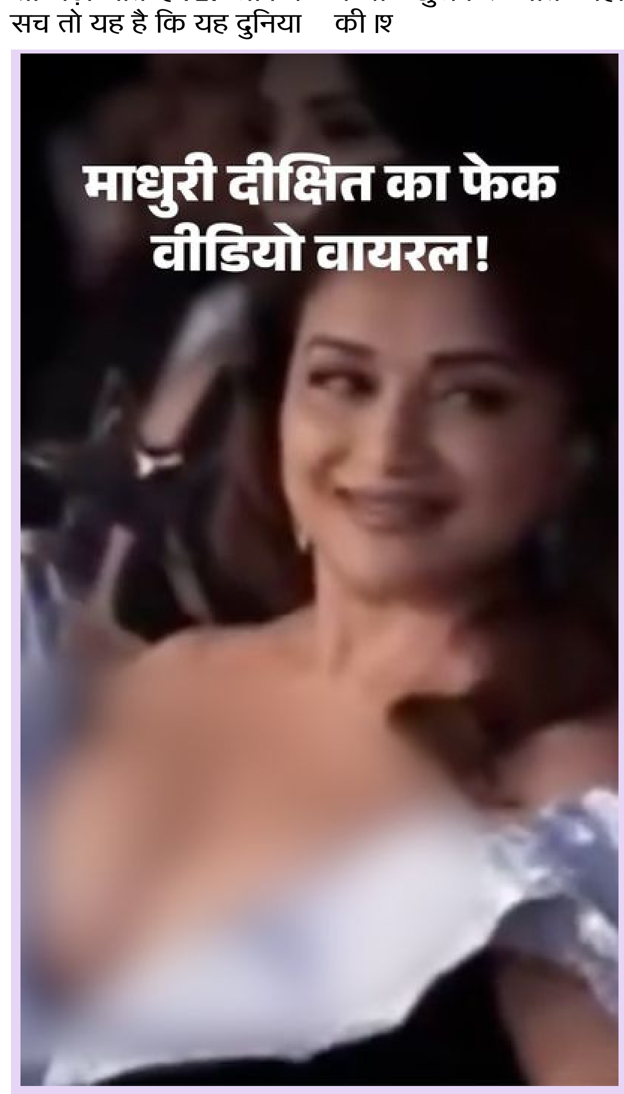

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक्ट्रेस एक रिवीलिंग ब्लैक ड्रेस में दिख रही हैं, जिसे देखकर कई लोगों ने उनके पहनावे पर कमेंट करने शुरू कर दिए।हालांकि, वीडियो को लेकर पत्रकार जयदीप पांडेय ने दावा किया कि यह वीडियो फेक ।प् वीडियो है। जयदीप ने एक यूजर को रिप्लाई करते हुए लिखा, श्यह माधुरी दीक्षित का ।प् से बनाया गया फर्जी वीडियो है। कृपया ऐसी कोई भी चीज पोस्ट या शेयर करने से पहले उसकी सच्चाई की जांच जरूर कर लें।श् वायरल वीडियो में माधुरी दीक्षित जिस तरह की ड्रेस में दिख रही हैं, वैसी ही ड्रेस उन्होंने 2026 में न्यूज 18 के अवॉर्ड शो में पहनी थी। कई यूजर्स ने इस वीडियो को शेयर किया। वहीं, एक यूजर की पोस्ट पर कम्यूनिटी नोट जारी कर ग् (पूर्व में ट्विटर) ने कहा कि वीडियो पूरी तरह से ।प् की मदद से तैयार किया गया है। कई सेलेब्स के ।प्-जनरेटेड पोस्ट बने हैं गौरतलब है कि कई सेलिब्रिटी एआई-जनरेटेड कंटेंट का शिकार हो चुके हैं, जिनमें रश्मिका मंदाना, कैटरीना कैफ और कीर्ति सुरेश शामिल हैं। हाल ही में फेक एआई से बने वीडियो और तस्वीरों को लेकर साउथ एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत भड़क गई थीं। रुक्मिणी ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर एक नोट शेयर कर लिखा था, 'मेरी टीम और मैंने सोशल मीडिया पर कुछ एआई से बनाई गई तस्वीरें देखी हैं, जिनके बारे में दावा किया जा रहा है कि वो मेरी हैं। मैं साफ कहना चाहती हूं कि ये तस्वीरें पूरी तरह फर्जी और बनाई गई हैं। इस तरह की एडिटेड तस्वीरें बनाना और फैलाना बहुत गैरजिम्मेदाराना है। यह किसी की प्राइवेसी का बड़ा उल्लंघन भी है।' रुक्मिणी वसंत की पोस्ट। उन्होंने आगे लिखा था, 'हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। इन तस्वीरों को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी और साइबर क्राइम कार्रवाई शुरू की जा रही है। मैं सभी लोगों से अपील करती हूं कि ऐसे कंटेंट को शेयर न करें और न ही उसे बढ़ावा दें।' रश्मिका का डीपफेक वीडियो सामने आया था नवंबर 2023 में रश्मिका का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह काले रंग के कपड़ों में एक लिफ्ट के अंदर जाती हुई दिख रही थीं। यह वीडियो पूरी तरह फेक था। मूल वीडियो ब्रिटिश-भारतीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जारा पटेल का था। ।प् डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके जारा के चेहरे की जगह रश्मिका का चेहरा लगा दिया गया था। फेक तस्वीरें और एआई से जुड़ी यह खबर भी पढ़ें3 ।प् से बना रश्मिका मंदाना का फेक वीडियो वायरलरूअमिताभ बच्चन ने किया अलर्ट, बोले- दोषी के खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाए नवंबर 2023 में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक महिला लिफ्ट में एंटर करती नजर आ रही थी जो देखने में तो बिल्कुल रश्मिका जैसी लगती थी।

बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर करण जौहर अक्सर किसी न किसी कारण चर्चा में रहते हैं. अब वो एक बार फिर सुर्खियां बटोर रहे हैं. दरअसल, करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर इंडस्ट्री के अपने कई करीबी दोस्तों को अनफॉलो कर दिया है, जिनमें शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, वरुण धवन और आलिया भट्ट जैसे सेलेब्स का नाम शामिल है. अब करण जौहर ने खुद इसके पीछे की वजह बताई है. ये नेशनल न्यूज नहीं है- करण जौहर करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर फाइनली बता दिया है कि उन्होंने सेलेब्स को अनफॉलो क्यों किया है. डायरेक्टर ने लिखा, श्ये डिजिटल डिटॉक्स है. मैं सबको अनफॉलो कर रहा हूं अपना समय और एनर्जी बचाने के लिए, जो मैं इस्टाग्राम पर लगाता हूं. भगवान के लिए ये नेशनल न्यूज नहीं है. प्लीज क्लिकबेट कुछ और करिए... ये महत्व नहीं रखता है.श् इन सेलेब्स को किया अनफॉलो बता दें कि करण जौहर के इंस्टाग्राम पर 17.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं. वो फिलहाल 78 लोगों को फॉलो कर रहे हैं. करण जौहर ने शाहरुख खान, मनीष मल्होत्रा, अनन्या पांडे, कार्तिक आर्यन जैसे स्टार्स को अनफॉलो कर दिया है. इसके अलावा करीना कपूर, मलाइका अरोड़ा, वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, आलिया भट्ट जैसे स्टार्स भी उनकी फॉलोइंग लिस्ट में नहीं है. हालांकि, दिलचस्प बात ये है कि वो प्रियंका चोपड़ा को अभी भी फॉलो कर रहे हैं. श्चांद मेरा दिलश् को लेकर चर्चा में करण जौहर करण जौहर के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वो अपनी फिल्म श्चांद मेरा दिलश् को लेकर चर्चा में हैं. इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म को उनकी कंपनी धर्मा प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूसर किया है. फिल्म में अनन्या पांडे और लक्ष्य लीड रोल में हैं. श्चांद मेरा दिलश् से मेकर्स को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म अपना जादू नहीं चला पाई. अब करण जल्द ही फिल्म श्नागजिलाश् लेकर आएंगे. इस फिल्म के हीरो कार्तिक आर्यन हैं.

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
सोमवार, 22 जून, 2026

12 करोड़ की बड़ी कुर्बानी

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत 2027 इंडियन प्रीमियर लीग (प्च्स्) में दिल्ली कैपिटल्स (क्ब्) में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके लिए उनकी सैलरी में 12 करोड़ रुपये की भारी कटौती होगी। प्छप् के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। लखनऊ सुपर जायंट्स पंत को रिलीज करने वाली है। उम्मीद है कि वे अपनी पुरानी टीम दिल्ली कैपिटल्स में वापस लौटेंगे। यह ट्रेड 15 करोड़ रुपये (लगभग 1.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का होगा। इससे पहले स्ैळ ने उन्हें प्च्स् 2025 के मेगा ऑक्शन में रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। दोनों टीमें अभी इस डील की औपचारिकताएं पूरी कर रही हैं और इसे अंतिम रूप देने के लिए ठब्ब्प् की मंजूरी की जरूरत होगी। प्च्स् ट्रेड के तहत अपनी सैलरी में बड़ी कटौती करने वाले रवींद्र जडेजा के बाद पंत दूसरे बड़े खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, प्च्स् 2026 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ने जडेजा और संजू सैमसन को आपस में बदलने (स्वैप) का बड़ा फैसला किया था, जिसमें कॉन्ट्रैक्ट की वैल्यू में भी बदलाव किए गए थे। स्ैळ के साथ पंत का कार्यकाल दो सीजन का रहा, लेकिन नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे। कप्तान के तौर पर उन्होंने 10 मैच जीते और 18 हारे, साथ ही 26.4 की औसत और 135.74 के स्ट्राइक रेट से 581 रन बनाए। 2025 के ऑक्शन से पहले रिलीज किए जाने से पहले पंत ने चार सीजन तक क्ब् की कप्तानी की थी, जिसके बाद स्ैळ ने उन्हें 27 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर खरीदा था। 2026 सीजन में टीम के सबसे निचले पायदान पर रहने के बाद, पंत ने स्ैळ की कप्तानी छोड़ दी है।

रॉकी का श्राप और ब्राजीलियाई अंधविश्वास!

फुटबॉल की दुनिया में जीत-हार के अलावा अंधविश्वास और टोटकों का भी अपना एक अलग रोमांच होता है। ऐसा ही एक दिलचस्प वाकया फिलाडेल्फिया म्यूजियम ऑफआर्ट की मशहूर सीढ़ियों पर देखने को मिला। यहाँ विश्व कप का मैच देखने आए ब्राजील के प्रशंसकों ने श्रॉकीश् (त्वबाल) की ऐतिहासिक प्रतिमा के साथ तस्वीरें तो खिंचवाईं, लेकिन उस काल्पनिक योद्धा की मूर्ति को ठीक उसी स्थिति में छोड़ दिया जैसा उन्होंने उसे देखा था। ब्राजीलियाई प्रशंसकों को डर था कि अगर उन्होंने मूर्ति के साथ कोई छेड़छाड़ की, तो उनकी टीम पर श्रॉकी का श्रापश् लग सकता है और हैती की कमजोर टीम विश्व कप का सबसे बड़ा उलटफेर कर सकती है। विश्व कप का मैच देखने के लिए फिलाडेल्फिया आए हर ब्राजीलियाई प्रशंसक नौ फुट 11 इंच लंबी और 1300 पाउंड वजनी विशालकाय मूर्ति के साथ एक तस्वीर या सेल्फी लेने के लिए रुका, लेकिन उन्होंने उसे जर्सी नहीं पहनाने की अपील का पूरा ध्यान रखा। यहां आने वाले खेल प्रशंसकों ने लंबे समय से यह कड़वा सबक सीखा है कि प्रतिमा को रंगीन जर्सी, स्कार्फ, टोपी, या स्थानीय रैली हाउस में मिलने वाली किसी भी चीज से सजाने का मतलब केवल यही होता है कि उनकी टीम को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। आप इस अंधविश्वास का उपहास उड़ा सकते हैं लेकिन कुछ दिन पहले इक्वाडोर के प्रशंसकों ने रॉकी की सीढ़ियों पर कब्जा कर लिया और गाने गाए, नाचे, झंडे लहराए, रॉकी को टीम की जर्सी पहनाई और काल्पनिक योद्धा के गले में देश का झंडा बांध दिया। इक्वाडोर की टीम के लिए यह अच्छा नहीं रहा। अमाद डियालो ने 90वें मिनट में गोल करके आइवरी कोस्ट को बारह साल में पहली बार विश्व कप में भाग ले रहे इक्वाडोर पर 1-0 से जीत दिलाई। ब्राजील के प्रशंसकों ने इस परिणाम पर ध्यान दिया और उनके एक प्रशंसक समूह, 'ग्रीन एंड येलो मूवमेंट' ने अपने देश के किसी भी प्रशंसक को मूर्ति पर किसी भी तरह की सजावट नहीं करने की अपील की। इसके लिए उन्होंने बाकायदा इंस्टाग्राम पोस्ट पर चेतावनी जारी की थी। इस पोस्ट में कहा गया था, ''प्रशंसक ध्यान दें। फिलाडेल्फिया में रॉकी की मूर्ति पर ब्राजील की शर्ट लगाना पूरी तरह से मना है। कई फुटबॉल टीमों के प्रशंसकों ने रॉकी की मूर्ति को अपने रंगों में सजाया है और हार गई।'' ब्राजील के प्रशंसकों ने चेतावनी पर पूरा ध्यान दिया। ब्राजील ने इस मैच में हैती को 3-0 से हराया। सोशल मीडिया पर चेतावनी और ब्राजील की शानदार जीत इक्वाडोर का हश्र देखने के बाद ब्राजील के प्रशंसकों के सबसे बड़े समूह 'ग्रीन एंड येलो मूवमेंट' (ळतममद ंदक ल्मससवू डवअमउमदज) ने तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने इंस्टाग्राम पर बाकायदा एक पोस्ट जारी कर अपने देश के प्रशंसकों को कड़ी चेतावनी दीरू ष्प्रशंसकों ध्यान दें! फिलाडेल्फिया में रॉकी की मूर्ति पर ब्राजील की शर्ट लगाना पूरी तरह से मना है।

मौजूदा फुटबॉल विश्व कप में गोल की बौछार

1958 के बाद सबसे तेजी से पूरा हुआ 100 गोल का आंकड़ा

हुआस्टन। फीफा विश्व कप 2026 में गोल की बरसात हो रही है और ग्रुप चरण आधा होने से पहले ही 100 गोल का आंकड़ा छू लिया गया है। मौजूदा विश्व कप इतिहास के पन्नों में भी अपना नाम दर्ज करा रहा है। फीफा विश्व कप 2026 का खुमार पूरी दुनिया पर छा चुका है। मौजूदा टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के करीब आधे मैच हो चुके हैं और धीरे-धीरे नॉकआउट की तस्वीर साफ हो रही है। मौजूदा फुटबॉल विश्व कप इतिहास के पन्नों में भी अपना नाम दर्ज करा रहा है। इस टूर्नामेंट में गोलों की ऐसी बरसात हो रही है कि इसने पिछले 68 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 2026 का यह विश्व कप साल 1958 के बाद से सबसे तेजी से 100 गोल के आंकड़े तक पहुंचने वाला टूर्नामेंट बन गया है। इस ऐतिहासिक मुकाम को टूर्नामेंट के महज 33वें मैच में ही हासिल कर लिया गया। कॉडी गैक्पो के गोल से पूरा हुआ शतक फीफा विश्व कप के 33वें मैच में नीदरलैंड का सामना स्वीडन से हुआ। इस मैच में नीदरलैंड ने स्वीडन को 5-1 से शिकस्त दी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से तीसरा गोल करते ही लिवरपूल के फॉरवर्ड खिलाड़ी कॉडी गैक्पो ने इतिहास रच दिया। उनका यह गोल इस टूर्नामेंट का 100वां गोल (शतक) साबित हुआ। इस समय अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे इस विश्व कप में प्रति मैच औसतन 3.09 गोल हो रहे हैं। गोल होने की इसी रफ्तार को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह टूर्नामेंट आसानी से 300 गोल के जादुई आंकड़े को पार कर जाएगा। कब कितने मैचों में हुए 100 गोल? फुटबॉल विश्व कप के इतिहास पर नजर डालें तो सिर्फ 1954 (स्विट्जरलैंड विश्व कप) का टूर्नामेंट इससे भी तेज रहा था, जहां केवल 20 मैचों में ही 100 गोल पूरे हो गए थे। उस टूर्नामेंट को पश्चिम जर्मनी ने जीता था। 2014 (ब्राजील) और 1982 में 100 गोल तक पहुंचने में 36 मैच लगे थे। 1978 (अर्जेंटीना) और 1994 (अमेरिका) में हुए विश्व कप में 100 गोल पूरा होने के लिए 38 मैच खेलने पड़े थे। मौजूदा विश्व कप में 100 गोल तक की बात करें तो पहले हाफ में 46 गोल हुए तो वहीं दूसरे हाफ में 54 गोल किए गए। फीफा विश्व कप 2026 में अब तक 36 मुकाबले खेले जा चुके हैं और कुल 110 गोल हो चुके हैं। फीफा विश्व कप में सबसे कम मैचों में 100 गोल वर्ष मैच 1954 19-20' 2026 33 1958 32-33' 2014 35-36' 1982 36 1978 38 1994 38 विश्व कप के 10वें दिन के नतीजे 10वें दिन के मुकाबलों की बात करें तो पहले मैच में नीदरलैंड ने स्वीडन को हराया। वहीं, दूसरे मैच में जर्मनी ने आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर नॉकआउट में जगह पक्की कर ली। इक्वाडोर और कुराकाओ के बीच खेला गया मैच गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ जिससे दोनों ही टीमों के लिए आगे की राह बेहद कठिन हो गई। दिन के चौथे मैच में जापान ने ट्यूनिशिया को 4-0 से हराकर एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही ट्यूनिशिया का सफर समाप्त हो गया।

जर्मनी-नीदरलैंड जीते, इक्वाडोर ने कुराकाओ से खेला ड्रॉ, जापान की एकतरफा जीत

लॉस एंजिलिस। फीफा विश्व कप 2026 का ग्रुप चरण अब धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। 10वें दिन जर्मनी और नीदरलैंड ने अपने-अपने मैच जीते, जबकि इक्वाडोर और कुराकाओ के बीच मैच ड्रा रहा है।जर्मनी ने इस जीत के साथ ही नॉकआउट में जगह पक्की कर ली है। वहीं, दिन के अंतिम मैच में जापान ने ट्यूनिशिया को एकतरफा अंदाज में हराया। फीफा विश्व कप 2026 के 10वें दिन जर्मनी और नीदरलैंड ने अपने-अपने मुकाबलों में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इससे नॉकआउट की तस्वीर और साफहुई। ग्रुप ई में इक्वाडोर और कुराकाओ का मुकाबला ड्रा रहा है। वहीं, दिन के आखिरी मैच में जापान ने ग्रुप एफके मुकाबले में ट्यूनिशिया को एकतरफा अंदाज में 4-0 से हराया। आइए जानते हैं 10वें दिन किस-किस ने अपने मैच जीते, जबकि 11वें दिन किस टीम के मुकाबले खेल जाने हैं... नीदरलैंड ने स्वीडन को हराया ग्रुप-एफ के मुकाबले में नीदरलैंड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वीडन को 5-1 से करारी शिकस्त दी। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए टूर्नामेंट के 35वें मुकाबले में नीदरलैंड ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाई और स्वीडन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। ब्रायन ब्रॉबी और कॉडी गैक्पो ने दो-दो गोल दागे, जबकि क्राइसेंसियो समरविले ने एक गोल कर जीत को और शानदार बना दिया। ग्रुप में मजबूत हुई नीदरलैंड की स्थिति इस शानदार जीत के साथ नीदरलैंड ने ग्रुप-एफ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। टीम ने आक्रमण और रक्षा दोनों विभागों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं स्वीडन को टूर्नामेंट में आगे की राह आसान बनाने के लिए आगामी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आइवरी कोस्ट को हराकर नॉकआउट में पहुंचा जर्मनी फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने शानदार वापसी करते हुए आइवरी कोस्ट को 2-1 से हरा दिया। टोरंटो स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में एक समय जर्मन टीम पिछड़ रही थी, लेकिन डेनिज उन्दाव के दो गोलों की बदौलत उसने जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ जर्मनी ने नॉकआउट चरण में अपनी जगह भी पक्की कर ली। ब्रेक के बाद जर्मनी ने खेल की रफ्तार बढ़ा दी और लगातार आइवरी कोस्ट के गोल पर दबाव बनाया। इसका फायदा 68वें मिनट में मिला, जब सब्स्टीट्यूट डेनिज उन्दाव ने शानदार गोल दागकर टीम को 1-1 की बराबरी दिला दी। इस गोल के बाद मुकाबला और रोमांचक हो गया। दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष करती रहीं, लेकिन जर्मनी के हमले लगातार ज्यादा खतरनाक नजर आए। आठ मिनट के इंजरी टाइम के बाद रेफरी ने अंतिम सीटी बजाई और जर्मनी ने 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अमेरिका ने ईरान के यात्रा नियमों का बचाव किया, विरोध के बावजूद नीति में नहीं होगा बदलाव

लॉस एंजिलिस। फीफा विश्व कप में ईरान की फुटबॉल टीम को लेकर लगातार विवाद चल रहा है। ईरान ने यात्रा नियमों को लेकर नाराजगी जताई है, लेकिन अमेरिका ने इस नीति को जायज ठहराते हुए कहा है कि आगे भी यह जारी रहेगा। अमेरिका ने फीफा विश्व कप 2026 में ईरान फुटबॉल टीम की यात्रा व्यवस्थाओं का बचाव किया है। हालांकि उनका कहना है कि वह लगातार स्थिति का आकलन कर रहा है। टूर्नामेंट के लिए व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गियुलियानी ने कहा कि ईरान टीम के कड़े विरोध के बावजूद मूल योजना में बदलाव नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने इस यात्रा व्यवस्था को अन्यायपूर्ण बताते हुए इसके खिलाफ फीफा में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। ईरान की टीम 21 जून को बेल्जियम के खिलाफटूर्नामेंट का अपना दूसरा मैच खेलने उतरेगी। क्या है ईरान की नाराजगी? ईरान टीम टूर्नामेंट के यात्रा नियमों को लेकर बेहद निराश है। इन नियमों के मुताबिक टीम को मैच के आयोजन स्थल पर मैच शुरू होने से केवल 24 घंटे पहले ही पहुंचने की अनुमति है। इसके साथ ही हर मैच के तुरंत बाद उन्हें मेक्सिको के तिजुआना स्थित अपने ट्रेनिंग कैंप में वापस लौटना होगा। ईरान टीम के मुख्य कोच अमीर घालेनोही ने इन व्यवस्थाओं की कड़ी आलोचना की है। उनका दावा है कि इस विश्व कप में उनकी टीम को किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है। व्हाइट हाउस टास्क फोर्स ने क्या दिया तर्क गियुलियानी ने साफ किया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने पुष्टि की है कि रविवार को लॉस एंजिलिस में बेल्जियम के साथ होने वाले मुकाबले के बाद शुक्रवार को सिएटल में मिस्र के खिलाफ होने वाले ईरान के अंतिम ग्रुप-स्टेज मैच के यात्रा प्रबंधन पर चर्चा की जाएगी। गियुलियानी ने कहा, यह स्थिति गतिशील है। हमारे पास फिलहाल एक योजना तैयार है। बेल्जियम के खिलाफ मैच के बाद वे तिजुआना के लिए 27 मिनट की उड़ान भरेंगे।

अर्थ जगत

आरबीआई का बड़ा फैसला: किसान क्रेडिट कार्ड योजना में किया संशोधन, फसल सीजन की परिभाषा की मानकीकृत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना में संशोधन करते हुए फसल सीजन की परिभाषा को मानकीकृत कर दिया। इसका उद्देश्य ऋण स्वीकृति और पुनर्भुगतान कार्यक्रम में एकरूपता सुनिश्चित करना है। आरबीआई ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ख्वाणिज्यिक बैंक- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना, निर्देश, 2026 अगले वर्ष जनवरी से लागू होंगे। केंद्रीय बैंक के अनुसार, इन निर्देशों का मकसद बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से केसीसी योजना के तहत कृषि और संबद्ध गतिविधियों में लगे उधारकर्ताओं को उनकी कार्यशील पूंजी और निवेश ऋण संबंधी जरूरतों के लिए पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता उपलब्ध कराना है। इसके लिए सरल और मानकीकृत प्रक्रियाओं वाली समेकित सुविधा का ढांचा तैयार किया गया है। आरबीआई ने फसल सीजन की परिभाषा को आय मान्यता और परिसंपत्ति वर्गीकरण (आईआरएसी) मानदंडों के अनुरूप संशोधित किया है। नए निर्देशों के अनुसार, केसीसी योजना के तहत अल्पावधि फसलों के लिए फसल सीजन 12 महीने और दीर्घावधि फसलों के लिए 18 महीने मानकीकृत किया जाएगा। निर्देशों में कहा गया है कि फसल सीजन का अर्थ फसल की बुआई से लेकर उसकी कटाई और विपणन तक की अवधि है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि फरवरी में संशोधित किसान क्रेडिट कार्ड योजना के मसौदा निर्देशों पर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे गए थे। हालांकि, बिना जमानत वाले ऋण की सीमा बढ़ाने के सुझाव को आरबीआई ने खारिज कर दिया। बैंक ने कहा कि दिसंबर 2024 में इस सीमा को हाल ही में बढ़ाया गया था और फिलहाल इसमें और वृद्धि का कोई प्रस्ताव नहीं है। जमानत और मार्जिन संबंधी प्रावधानों पर आरबीआई ने कहा कि बैंक प्रति उधारकर्ता दो लाख रुपये तक के कृषि और संबद्ध गतिविधियों से जुड़े ऋणों पर जमानत और मार्जिन की शर्तों को माफकरेंगे। साथ ही, दो लाख रुपये तक की जमानत-मुक्त सीमा के भीतर कृषि ऋण के लिए स्वेच्छा से सोना या चांदी गिरवी रखने को कृषि क्षेत्र के लिए जमानत-मुक्त ऋण संबंधी दिशानिर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। आरबीआई ने कहा कि दो लाख रुपये से अधिक के ऋणों के लिए बैंक अपनी ऋण नीति और समय-समय पर जारी आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुरूप जमानत और मार्जिन संबंधी आवश्यकताओं का निर्धारण करेंगे।

जियो के मेगा आईपीओ से लेकर एआई व दो लाख नई नौकरियों तक, ये हैं मुकेश अंबानी के 10 बड़े एलान

नई दिल्ली। रिलायंस एजीएम 2026 में मुकेश अंबानी ने जियो आईपीओ, 22 भाषाओं में स्वदेशी एआई, सैटेलाइट इंटरनेट और न्यू एनर्जी सेक्टर में 2 लाख नौकरियों समेत कई ऐतिहासिक ऐलान किए हैं। रिलायंस के फ्यूचर प्लान की 10 बड़ी बातें यहां पढ़ें।

भारतीय कॉर्पोरेट जगत के सबसे बड़े इवेंट्स में से एक, रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक में इस बार भविष्य की तकनीक और बड़े विस्तार की स्पष्ट झलक देखने को मिली है। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनकी अगली पीढ़ी की लीडरशिप ने टेलीकॉम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सैटेलाइट कनेक्टिविटी, मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन एनर्जी को लेकर कई ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं। शेयर बाजार के निवेशकों से लेकर आम उपभोक्ताओं तक, हर किसी की नजर इस एजीएम पर टिकी थी। आइए आसान और बोलचाल की भाषा में समझते हैं रिलायंस एजीएम 2026 से जुड़ी 10 सबसे बड़ी और अहम बातें, जो आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था और डिजिटल परिदृश्य को पूरी तरह से बदल सकती हैं। रिलायंस एजीएम 2026 की 10 बड़ी बातें 1. जियो का मेगा आईपीओ लॉन्च के लिए तैयार शेयर बाजार के निवेशकों के लिए सबसे बड़ी खबर जियो प्लेटफार्म्स के आईपीओ को मिली मंजूरी है। मुकेश अंबानी ने घोषणा की है कि जियो के बोर्ड ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) को अपनी मंजूरी दे दी है और इसे आज ही बाजार नियामक सेबी के पास फाइल कर दिया जाएगा। इस आईपीओ के तहत 27 करोड़ नए शेयर बाजार में उतारे जाएंगे। मुकेश अंबानी ने इसे रिलायंस परिवार और लाखों शेयरधारकों के लिए एक बेहद श्भावुक पलश् बताया। 2. जियो के अगले चरण की कमान नई पीढ़ी के हाथों में रिलायंस ने लीडरशिप ट्रांजिशन (नेतृत्व परिवर्तन) को लेकर भी स्थिति स्पष्ट कर दी है। मुकेश अंबानी ने ऐलान किया कि अब ईशा, आकाश और अनंत अंबानी मिलकर जियो के विकास के अगले चरण का नेतृत्व करेंगे। 3. अब आसमान से मिलेगा इंटरनेट जमीन पर भारत को कनेक्ट करने के बाद अब जियो आसमान से इंटरनेट सेवाएं देने की तैयारी में है। आकाश अंबानी ने बताया कि जियो भारत के लिए अपना श्लो अर्थ ऑर्बिटश् (एलईओ) सैटेलाइट नेटवर्क विकसित करने की योजना बना रहा है। कंपनी भारत में अपना खुद का ग्राउंड स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार कर रही है, ताकि दूर-दराज के इलाकों में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाया जा सके। 4. जामनगर में बन रहा है भारत का अपना स्वदेशी एआई रिलायंस इंटेलिजेंस अब जामनगर में भारत का श्सॉवरेन एआई बैकबोनश् यानी अपना खुद का एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रही है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए एआई सेवाओं को किफायती और सुलभ बनाना है, ताकि एआई की इकॉनमी में बड़ा बदलाव लाया जा सके। 5. 22 भारतीय भाषाओं में मिलेगी एआई सेवाई रिलायंस विदेशी अंग्रेजी एआई मॉडल्स पर निर्भर रहने के बजाय भारत के लिए खास एआई बना रहा है। आकाश अंबानी ने बताया कि जियो भारत आईक्यू, एआई व्यापार और जियो हेल्थ आईक्यू जैसे प्लेटफॉर्म 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होंगे। आकाश अंबानी ने जोर देकर कहा कि, ष्भारत का एआई भारतीय भाषा में बोलेगा और भारत की तस्वीर बदलेगाष्। 6. माय जियो एप अब बनेगा आपका पर्सनल एआई असिस्टेंट एआई को रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ने के लिए कंपनी अपने मौजूदा माय जियो एप एप को पूरी तरह से बदल रही है। अब यह सिर्फएक ऐप नहीं रहेगा

बाजार में पांच दिन की तेजी पर ब्रेक, सेंसेक्स 607 अंक लुढ़का, निफ्टी 24000 के करीब

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांच दिन से जारी तेजी शुक्रवार को थम गई। सेंसेक्स 607 अंक गिरकर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 24,000 का स्तर बरकरार रखा। आईटी और बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली। आइए जानते हैं बाजार का पूरा हाल। भारतीय शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी शानदार तेजी का सिलसिला शुक्रवार को थम गया है। सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे बाजार का उत्साह फीका पड़ गया है। भारी बिकवाली के इस माहौल में दिग्गज शेयरों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि, गिरते बाजार के बावजूद निफ्टी किसी तरह 24,000 के अहम और मनोवैज्ञानिक स्तर को बचाने में कामयाब रहा है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि बाजार में इस भारी बिकवाली का मुख्य कारण क्या रहा और किन सेक्टर्स में निवेशकों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। सेंसेक्स और निफ्टी के ताजा आंकड़े क्या कहते हैं? शुक्रवार को जब बाजार बंद हुआ, तो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 607.08 अंक (यानी 0.78 :) की भारी गिरावट के साथ 76,802.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी लाल निशान में रहा और यह 154.91 अंक (यानी 0.64 :) फिसलकर 24,013.10 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के दौरान बड़े शेयरों का प्रदर्शन भी कमजोर रहा, जिसमें प्रमुख रूप से एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 2-2 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में अचानक यह बड़ी गिरावट क्यों आई? शेयर बाजार में आई इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे हैं। बाजार में सबसे बड़ा दबाव आईटी (आईटी) शेयरों में हुई भारी बिकवाली की वजह से आया। इसके साथ ही, कमजोर ग्लोबल संकेतों और बाजार से जुड़े अन्य चिंताजनक कारकों ने भी निवेशकों के बीच घबराहट पैदा कर दी। इसी घबराहट के चलते निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी, जिससे बाजार में बिकवाली का चौतरफा दबाव बढ़ गया। किन सेक्टर्स ने निवेशकों को रुलाया और कहां हुई कमाई? शुक्रवार के कारोबारी सत्र में बाजार के ज्यादातर हिस्सों में बिकवाली का दबाव स्पष्ट रूप से नजर आया। टेक्नोलॉजी शेयरों, विशेष रूप से निफ्टी आईटी इंडेक्स में भारी नुकसान दर्ज किया गया। इसके अलावा फाइनेंस, बैंकिंग, रियल एस्टेट और कंजम्पशन (खपत) से जुड़े क्षेत्रों में भी सुस्ती रही और ये सभी निचले स्तर पर कारोबार करते दिखे। हालांकि, इस गिरते बाजार में कुछ श्डिफेंसिव सेक्टर्सश् (सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्र) ने बाजार को अहम सपोर्ट देने का काम किया। फार्मा, हेल्थकेयर, मीडिया, केमिकल्स और कुछ चुनिंदा मिड-कैप व स्मॉल-कैप हेल्थकेयर इंडेक्स सकारात्मक रहे। यह बदलाव साफ दर्शाता है कि अनिश्चितता के माहौल में निवेशक अब सुरक्षित और मजबूत क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। अब बाजार और निवेशकों की नजरें किस बड़ी घटना पर टिकी हैं?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल न. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।